



# सूरभूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडले हर  
**श्री स्वामी रामानंद**  
**दासजी महाराज**  
 श्री रामानंद दास अनन्यसेवा  
 ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू. 1008 श्री रामानंद जी  
 तपोवन मंदिर, मोच गाँव, सुलत

वर्ष-11 अंक:258 ता. 10 अप्रैल 2023, सोमवार, कार्यालय: 114, न्यु प्रियंका टाउनशिप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूत ( गुजरात ) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@surabhi.com /Surabhi.com /Surabhi /Surabhi /Surabhi

### दीपक बॉक्सर के बाद अब विदेश भागे इन 5 बड़े गैंगस्टर्स पर शिकंजा ठसने की तैयारी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस द्वारा बीते दिनों अमेरिकी खुफिया एजेंसी एफबीआई की मदद से मेक्सिको से दबोचे गए भारत के कुख्यात गैंगस्टर दीपक बॉक्सर के बाद एनसीआर में आतंक का पर्याय बने पांच बड़े गैंगस्टर्स को विदेशी एजेंसियों की मदद से पकड़ने की तैयारी है। इसके लिए योजना बनाई गई है। इन गैंगस्टर्स के बारे में एजेंसियों को पता लगा है कि ये ऑस्ट्रेलिया, लंदन, कनाडा, अर्मीनिया और थाईलैंड से अपने गैंग चला रहे हैं। इसके लिए दिल्ली पुलिस अंतरराष्ट्रीय एजेंसी इंटरपोल की मदद से इन देशों की एजेंसियों के संपर्क में है। पिछले दिनों केंद्रीय गृह मंत्रालय ने विदेश से ऑपरेट करने वाले देश के कई हिस्सों के गैंगस्टर्स की एक सूची तैयार की है। इसमें एनसीआर के ऐसे पांच गैंगस्टर्स सहित देशभर के कुल 28 गैंगस्टर्स के नाम शामिल हैं। इसके लिए चार-पांच बार हुई बैठकों में एनआईए, दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल, गृह मंत्रालय और आईबी के सीनियर अधिकारी मौजूद थे। बैठक में निर्णय लिया गया कि ये गैंग आतंकियों की तरह ही काम कर रहे हैं, इसलिए आतंकी प्रतिविधियों की तरह इनके खिलाफ भी जांच कराई जाए और इन्हें हर हाल में दबोचा जाए।

### इन राज्यों तक फैला है नेटवर्क

विदेश में बैठे कुख्यात गैंगस्टर्स का नेटवर्क दिल्ली, हरियाणा, यूपी, राजस्थान, उत्तराखंड, पंजाब, हिमाचल महाराष्ट्र, और पश्चिम बंगाल तक फैला है। खुफिया सूत्रों की मानें तो इनके गुरु रंदावरी, लूट, हत्या और छेड़ती को तो अंजाम दे रहे हैं। साथ ही, पकिस्तानी खुफिया इकाई इन्हें पैसों का लालच देकर नाकॉं टेरिज्म का नेटवर्क स्थापित करने में भी जुटी हुई है।

### इन बदमाशों की तलाश

लकी पटियाल-कुख्यात गैंगस्टर्स लकी पटियाल अर्मीनिया से अपने गैंग को ऑपरेट कर रहा है। इसका आका दविंदर बबीहा एनकाउंटर में मारा गया था। गोल्डी बराड-गैंगस्टर्स गोल्डी बराड कनाडा में बैठकर गैंग का संचालन कर रहा है। इसका आका लॉरेंस बिशनोई कई साल से जेल में बंद है। हिमांशु- हिमांशु अपने आका नवीन बाली के सलाखों के पीछे पहुंचने के बाद गैंग की कमान संभाल रहा है।

## सचिन पायलट ने गहलोट के खिलाफ खोला मोर्चा, 11 अप्रैल को एक दिन का अनशन रखेंगे

जयपुर। राजस्थान के पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट एक दिन का अनशन रखेंगे। 11 अप्रैल को जयपुर के शहीद स्मारक पर रखेंगे। गहलोट सरकार द्वारा कार्रवाई नहीं करने के विरोध में रखेंगे अनशन। पूर्व डिप्टी सीएम और कांग्रेस विधायक सचिन पायलट ने भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई नहीं होने पर सीएम अशोक गहलोट को घेरा है। अब सचिन पायलट अपनी ही सरकार के खिलाफ 11 अप्रैल को ज्योतिबा फूले की जयंती पर शहीद स्मारक पर अनशन करेंगे। पायलट ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि जब हमारी सरकार बनी थी तब भ्रष्टाचार को लेकर हमने मिलकर कई बातें कही थी लेकिन अब तक यह काम नहीं हुए हैं। इसे देखते हुए मैं 11 अप्रैल को शहीद स्मारक पर एक दिन का अनशन करूँगा। यह अनशन उन बातों को रखने और उन्हें करने लिए किया जा रहा है जो अब तक हमारी सरकार द्वारा नहीं हुईं।



सीएम गहलोक पर साधा निशाना सचिन पायलट ने राजधानी जयपुर में मीडिया से करते हुए इशारों में सीएम अशोक गहलोट पर जमकर निशाना साधा। पायलट ने कहा कि 2013 में कांग्रेस पार्टी की सरकार थी और हम चुनाव हार गए थे।

हमने आरोप लगाए हम सभी कांग्रेस नेताओं ने लगाए थे। हमने जनता से वादा किया था। भाजपा के शासन में करप्शन के मुद्दे आए हैं। प्रभावशाली तरीके से, निष्पक्ष तरीके से जांच कराएंगे। दोषियों को सजा देंगे। मैंने कभी भी प्रतिशोध की भावना का समर्थन नहीं किया।

हमने आरोप लगाए हम सभी कांग्रेस नेताओं ने लगाए थे। हमने जनता से वादा किया था। भाजपा के शासन में करप्शन के मुद्दे आए हैं। प्रभावशाली तरीके से, निष्पक्ष तरीके से जांच कराएंगे। दोषियों को सजा देंगे। मैंने कभी भी प्रतिशोध की भावना का समर्थन नहीं किया।

गहलोट ने मेरी चिट्ठी का जवाब नहीं दिया सचिन पायलट ने कहा कि आज से करीब सवा साल पहले मैंने सीएम गहलोट को चिट्ठी लिखी थी। चिट्ठी में मैंने पूरे विस्तार से घटनाक्रम का विवरण रखा। मैंने कहा कि हमारी सरकार बने हुए साढ़े तीन साल हो गए हैं। अब समय आ गया है कि हम लोग अपने वादों पर खरा उतरे। जो आरोप मैंने और गहलोट ने लगाए थे। भूमिफिया के, शराब माफिया के खनन माफिया के, ललित मोदी को लेकर, खान माफिया को लेकर। वो सारे पब्लिक डोमेन में हैं। मैंने आग्रह किया था। हमें यह दिखाना पड़ेगा कि हमारी कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं है। मैंने आरोप लगाए थे। सीएम को दी। एआईसीसी में चिट्ठी भेजी थी। मेरी चिट्ठी का कोई जवाब नहीं दिया। जनता ने हम पर विश्वास किया। हम 2013 के चुनाव में 21 सीटों पर रह गए थे। फिर हम 21 से 100 पर पहुंचे।

### गहलोट एजेंसियों का सदुपयोग नहीं कर रही है

पायलट ने कहा कि हम चाहते हैं कि जब जनता के बीच सिर्फ 6-7 महीने जाने का समय बचा है, तो हम लोग पब्लिक में जाएं। उससे पहले हम कुछ कार्रवाई करें। पायलट ने कहा कि मोदी सरकार ईडी, सीबीआई, आइएन विभाग समेत तमाम जांच एजेंसियों को का दुरुपयोग कर रही है। ये पूरा देश जानता है इस बात को। विपक्ष भी बोलता है। हम लोग भी बोलते हैं। एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है। 95 फीसदी ईडी की कार्यवाही विपक्ष पर हो रही है। केंद्र सरकार एजेंसियों का दुरुपयोग कांग्रेस की लीडरशिप को टारगेट कर रही है। फर्जी केस बनाए जा रहे हैं। चाहे वह नेशनल हेराल्ड का केस है। चाहे यंग इंडियन का केस है। समन आ रहे हैं। नोटिस आ रहे हैं। पेशी लग रही है। एक तरफ मोदी सरकार ऐसा काम कर रही है। राजस्थान में हमारी सरकार है, हम एजेंसियों का सदुपयोग नहीं कर रहे हैं। ये बड़ा विचित्र मामला था। मैं बड़ा चिंतित हूँ। एक साल से ज्यादा का समय हो गया। जनता को यह नहीं लगना चाहिए कि हम कहते कुछ और है। करते कुछ और।

## तेल निकालने वाली गर्मी के लिए रहें तैयार दिल्ली में 13 अप्रैल से बढ़ने लगोगा तापमान

नई दिल्ली। राजधानी में न्यूनतम तापमान में शनिवार को काफी कमी दर्ज की गई। न्यूनतम तापमान सामान्य से छह डिग्री तक रहा। हालांकि, मौसम विभाग के अनुसार दिल्ली में अगले कुछ दिनों में अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। आगामी 13 अप्रैल तक तापमान 37 डिग्री तक पहुंच सकता है। वहीं, उस समय तक न्यूनतम तापमान 17 डिग्री के आसपास रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार, शुक्रवार को जहाँ दिल्ली का न्यूनतम तापमान 15.4 डिग्री था तो वहीं शनिवार को यह 14.1 डिग्री दर्ज किया गया, जो कि सामान्य से छह डिग्री कम रहा। मौसम विभाग का मानना है कि अगले तीन से चार दिनों तक न्यूनतम तापमान 14 से 15 डिग्री के बीच ही बना रहेगा।



तो वहीं शनिवार को यह 16.8 पर पहुंच गया। फिजियल यह मध्यम श्रेणी में है, लेकिन आगामी 10 अप्रैल को यह खराब श्रेणी में जा सकता है। द्राक्षा स्थित एनएसआईटी के समीप शनिवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक 307 दर्ज किया गया जो बेहद खराब श्रेणी में आता है। वहीं, आईटीओ पर वायु गुणवत्ता सूचकांक 93 रहा जो संतोषजनक माना जाता है। सफर के मुताबिक, दिल्ली में बीते 10 दिनों से प्रदूषण काफी कम रहा है। शनिवार को इसमें हल्की सुई हुई है, लेकिन अभी भी यह मध्यम श्रेणी में बना हुआ है।

### हवा धीमी होने के कारण फिर प्रदूषण खराब श्रेणी में पहुंचा-राजधानी में हवा की रफ्तार धीमी पड़ने से प्रदूषण एक बार फिर बढ़ने लगा है। शुक्रवार को जहाँ दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक 142 दर्ज किया गया

## कैसी होगी अयोध्या में रामलला की मूर्ति? वासुदेव कामथ के स्केच पर लग गई मोहर

नई दिल्ली। अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण तेजी से चल रहा है। पूरी दुनिया में लोग राम मंदिर तैयार होने के बाद यहाँ आकर रामलला के दर्शन करने को आतुर हैं। जाहिर सी बात है कि मंदिर के गर्भगृह में स्थापित होने वाली रामलला की मूर्ति बेहद खास होगा। मामले से जुड़े लोगों की मुताबिक रामलला की मूर्ति मुंबई के कलाकार वासुदेव कामथ के स्केच पर आधारित हो सकती है। कामथ ने पेंसिल से बनाया गया रामलला का स्केच रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की मीटिंग में पेश किया था। यह बैटुक शनिवार को नई दिल्ली में आयोजित की गई थी। बताया जा रहा है कि उनके स्केच को चयनित कर लिया गया है। हालांकि अभी इसका औपचारिक ऐलान नहीं किया गया है। इसके अलावा मीटिंग में इस बात पर भी फैसला नहीं हुआ कि इस मूर्ति को



मामले से जुड़े लोगों की मुताबिक रामलला की मूर्ति मुंबई के कलाकार वासुदेव कामथ के स्केच पर आधारित हो सकती है। कामथ ने पेंसिल से बनाया गया रामलला का स्केच रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की मीटिंग में पेश किया था। यह बैटुक शनिवार को नई दिल्ली में आयोजित की गई थी। बताया जा रहा है कि उनके स्केच को चयनित कर लिया गया है। हालांकि अभी इसका औपचारिक ऐलान नहीं किया गया है। इसके अलावा मीटिंग में इस बात पर भी फैसला नहीं हुआ कि इस मूर्ति को

नाम हासिल हुआ। कामथ पौराणिक और ऐतिहासिक पेंटिंग बनाने के लिए जाने जाते हैं। बता दें कि ट्रस्ट ने कर्नाटक से पांच, राजस्थान से चार, ओडिशा से एक और नेपाल से दो शिलाले मंगवाई थीं। शनिवार को आयोजित की गई बैठक में ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय भी मौजूद थे। हालांकि वह तत्काल दिल्ली लौट गए क्योंकि रविवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी रामलला का पूजन करने अयोध्या पहुंच रहे हैं। ट्रस्ट ने रामलला की मूर्त बनाने के काम में शिल्पकारों को लगाया है। इसके अलावा श्रीराम का बचपन दिखाने वाली भी एक मूर्ति बनाने जाएंगी। इस साल दिसंबर में ही राम मंदिर के उद्घाटन का कार्यक्रम शुरू हो जाएगा। वहीं य 14 जनवरी को मकर संक्रांति के मौके पर रामलला की मूर्ति की स्थापना के साथ खतम होगा।

## कर्नाटक में अमूल दूध पर गर्माई सियासत, राज्य के किसानों के समर्थन में उतरे व्यवसायी



बेंगलुरु। अमूल ब्रांड की एक घोषणा के बाद कर्नाटक विधानसभा चुनाव से पहले सियासत गर्मा गई है। बृहत् बेंगलुरु होटल्स एसोसिएशन ने राज्य के (डेयरी) किसानों का समर्थन करने के लिए केवल नंदिनी दूध का उपयोग करने का फैसला किया है। बृहत् बेंगलुरु होटल्स एसोसिएशन ने एक बयान में अमूल का नाम लिए बगैर कहा कि कर्नाटका को केवल नंदिनी दूध उत्पादों का प्रचार करना चाहिए। हमारे किसान कर्नाटक में नंदिनी दूध का उत्पादन करते हैं, और हमें इसे प्रोत्साहित करना चाहिए। हमारे शहर में, स्वच्छ और स्वादिष्ट कॉफी ब्लेक्स की रिड है। हम इसे बड़े गर्व के साथ प्रोत्साहित करते हैं।

बृहत् बेंगलुरु होटल्स एसोसिएशन ने हाल ही में अन्य देशों से दूध के आयात की सूचना दी है। कर्नाटक में राज्य संघ ने कहा, हम सभी नंदिनी हैं। इससे पहले, कांग्रेस ने भाजपा पर राज्य के दुर्जेय डेयरी ब्रांड नंदिनी को मारने की साजिश रचने का आरोप लगाया था।

## खबरदार ! अगर पत्नी ने पति को कहर निकम्मा-बेरोजगार, तो बन सकता है तलाक का आधार

नई दिल्ली। अगर कोई पत्नी अपने पति को कायर कहती है या उसे निकम्मा या बेरोजगार कहती है तो यह दोनों के बीच तलाक का मजबूत आधार हो सकता है। हाल ही में कलकत्ता हाईकोर्ट ने अपने एक फैसले में यह व्यवस्था दी है। कोर्ट ने ये भी कहा कि अगर कोई महिला अपने पति पर उसके माता-पिता से अलग रहने का दबाव बनाती है या इसके लिए उसे मजबूर करती है, तो वह भी तलाक का आधार होगा। बार एंड बेच की एक रिपोर्ट के मुताबिक, जस्टिस सौमेन सेन और जस्टिस उदय कुमार की बेंच ने कहा कि भारतीय परिवार में बेटे का शादी के बाद भी अपने माता-पिता के साथ रहना आम बात है और अगर उसकी पत्नी उसे उसके माता-पिता से अलग करने का कोई प्रयास करती है, तो उसके लिए कोई न्यायोचित कारण होना चाहिए। हाई कोर्ट की खंडपीठ ने कहा, भारतीय संस्कृति अपने माता-पिता के भरण-पोषण के लिए पुत्र



बार एंड बेच की एक रिपोर्ट के मुताबिक, जस्टिस सौमेन सेन और जस्टिस उदय कुमार की बेंच ने कहा कि भारतीय परिवार में बेटे का शादी के बाद भी अपने माता-पिता के साथ रहना आम बात है

के पवित्र दायित्व को अवधारणा का पोषण करती है। अगर कोई पत्नी किसी पुत्र (अपने पति) को सामान्य प्रथा और समाज की सामान्य प्रथा से विचलित करने का प्रयास करती है, तो उसके पास इसके लिए कुछ उचित कारण होने चाहिए। अगर पत्नी चाहती है कि पति अपने

माता-पिता और परिवार से अलग हो जाए, तो पत्नी के कहने पर माता-पिता से अलग हो जाना भारत में बेटे के लिए आम बात नहीं है। खंडपीठ पश्चिम मदनपुर में परिवार अदालत के 25 मई, 2009 के उस आदेश को चुनौती देने वाली एक पत्नी की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें पति को बर्खास्त के आधार पर तलाक देने का आदेश दिया गया था। फैमिली कोर्ट ने 2 जुलाई, 2001 को जोड़े के विवाह को भंग कर दिया था। खंडपीठ ने कहा कि मामले में पत्नी के लिए पति को अलग होने के लिए कहने का कोई उचित कारण नहीं था, सिवाए घरेलू मुद्दों पर अहंकार के टकराव और वित्तीय आवश्यकताओं की पूर्ति से संबंधित समस्याओं के उदाहरणों के अलावा। मामले में पति पत्नी की प्रताड़ना और उल्टाना से तंग आकर अपने शांतिपूर्ण वैवाहिक जीवन की खारिज अपने माता-पिता को छोड़कर उनके घर से किराए के घर में चला गया था।

## दिल्ली में कोरोना ने पकड़ी रफ्तार, क्या फिर बंद होंगे बाजार ? सख्ती से बचने को व्यापारियों ने शुरू किए ये उपाय

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में कोरोना संक्रमण के तेजी से बढ़ते मामलों को देखते हुए एक बार फिर से लॉकडाउन जैसी स्थिति और अन्य प्रकार की स्थिति से बचने के लिए व्यापारियों ने भी उपाय शुरू कर दिए हैं। दिल्ली के बड़े बाजारों में दुकानदारों ने बिना मास्क सामान न देना का फैसला लिया है। ग्राहकों से मास्क पहने और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने की अपील की जा रही है। दुकानों में सिर्फ उन्हीं ग्राहकों को सामान बेचे रहे हैं जो मास्क पहनकर आ रहे हैं। शनिवार को सरोजिनी नगर बाजार में कोरोना से बचाव के लिए मास्क पहने और सैनिटाइजर का इस्तेमाल

करने की अनाउंसमेंट की गई। सरोजिनी नगर मिनी मार्केट ट्रेडर्स एसोसिएशन के प्रधान अशोक रंधावा का कहना है कि लगातार संक्रमण के मामले बढ़ रहे हैं। ऐसे में सबसे ज्यादा जरूरत बाजारों में ही सावधानी बरतने की है। इसके लिए सभी व्यापारियों ने तय किया है कि दुकान पर भी स्टाफ मास्क पहनेंगे। इसके साथ ही बाजार को जोड़ने वाले छह गेट पर भी लोगों से अपील की जा रही है कि वो मास्क पहनकर ही बाजार में जाएं। अशोक रंधावा ने बताया कि सप्ताह के अंत में बाजार में 70-80 हजार लोग खरीदारी करने के लिए आते हैं। ऐसे में



सबसे संक्रमण बढ़ने का ज्यादा खतरा है। हमारी जिम्मेदारी बनती है कि ग्राहकों और अपने को कोरोना की प्रोटोकॉल के नियमों का पालन करने के लिए जागरूक करें। इधर, फेडरेशन ऑफ सदर बाजार ट्रेडर्स एसोसिएशन के चेयरमैन परमजित सिंह पम्मा ने बताया कि यहाँ पर दूसरे राज्यों से भी लोग खरीदारी करने के लिए आते हैं। इसलिए अब हम भी अपने स्तर पर सावधानी बरत रहे हैं। व्यापारियों को कहा गया है कि वो कोरोना प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन कराएं। कोरोना से बचाव के लिए मास्क

पहनने और सैनिटाइजर का इस्तेमाल करने की अनाउंसमेंट कर रहे व्यापारी बोले- खुद भी और खरीदारी करने के लिए आने वाले से प्रोटोकॉल का पालन का पालन करेंगे दिल्ली में शनिवार को कुल 535 नए कोरोना संक्रमित मिले राजधानी दिल्ली में शनिवार को कुल 535 नए कोरोना संक्रमित मिले। अच्छी बात यह रही कि एक भी कोरोना संक्रमित की पिछले 24 घंटे में जान नहीं गई। शुक्रवार को 700 से ज्यादा मरीज सामने आए थे। दिल्ली में कोरोना के 2232 सक्रिय

मरीज हो गए हैं। दिल्ली के स्वास्थ्य विभाग को मुताबिक, शनिवार को कोरोना को 535 नए मामले सामने आए। वहीं 634 मरीजों को कोरोना से स्वस्थ मान लिया गया है। शनिवार को 2321 लोगों की कोरोना की जांच हुई जिसमें 23.05 फीसदी लोग संक्रमित पाए गए। दिल्ली में कोरोना के सक्रिय मरीज में से 1570 होम आइसोलेशन में, जबकि 126 मरीज अस्पतालों में भर्ती हैं। अस्पतालों में भर्ती मरीजों में से 12 वेंटीलेटर पर, 60 आईसीयू में और 43 ऑक्सीजन सपोर्ट पर भर्ती हैं।

## दिल्ली के मेयर चुनाव की तारीख घोषित, 26 अप्रैल को चुनाव जाएगा महापौर

नई दिल्ली। दिल्ली में महापौर का चुनाव 26 अप्रैल को होगा। इसका ऐलान आम आदमी पार्टी के नेता सीधर भारद्वाज ने किया है। हर वर्ष मेयर और डिप्टी मेयर का चुनाव किया जाता है, जो कि इस वर्ष 26 अप्रैल को होगा। अप्रैल के महीने में कानून के मुताबिक ही महापौर और उपमहापौर के लिए चुनाव किया जाता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस बार चुनाव का आयोजन शांतिपूर्ण तरीके से किया जाएगा। वहीं अगर उपराज्यपाल के कार्यालय से नियमों और कानून का पालन किया जाएगा तो चुनाव आराम से हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि पिछली बार जिस तरह से चुनाव हुए वो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण था। जिस तरह से उपराज्यपाल ने प्रोटम स्पीकर बनाया उसने काफी दिक्रत पैदा की। सदन में नियमों की अवहेलना की गई, एल्डरमैन से सविधान के नियमों के विरुद्ध जाते हुए वोट डलवाए जाने की कोशिश की गई, जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट को दखल देकर इसका विरोध करना पड़ा और फटकार लगानी पड़ी। कोर्ट ने भी कहा था कि नियमों की अवहेलना करना गलत है। ऐसे में इस बार चुनाव सही से कराए जाने पर जोर देना चाहिए। सूत्रों के अनुसार ये संभावना है कि इस बार उपमहापौर को ही प्रोटम मेयर बनाया जा सकता है। वहीं उनके उपर जिम्मेदारी होगी की वो महापौर का चुनाव करवाए। इसके बाद नया मेयर बनने के बाद उसके ऊपर जिम्मेदारी होगी कि उपमहापौर और अन्य चुनाव कराए जा सकते हैं। गौरतलब है कि वर्तमान में स्टैंडिंग कमेटी के चुनाव का मामला वर्तमान में कोर्ट में है। ऐसे में उम्मीद है कि कमेटी के चुनाव के मामले में नतीजा जल्दी निकले।

## राजद्रोह मामले में जेएनयू के छात्र की जमानत अर्जी पर सुनवाई सोमवार को

नयी दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय 2020 में शहर में हुए दंगे के एक मामले में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के छात्र शरजील इमाम की जमानत अर्जी पर सोमवार को सुनवाई करेगा। शरजील पर राजद्रोह का आरोप है। यह याचिका न्यायमूर्ति सिद्धार्थ मुदुल और न्यायमूर्ति तलवर्त सिंह की पीठ के सामने सुनवाई के लिए सुचीबद्ध है। इसमें निचली अदालत के 24 जनवरी 2022 के आदेश को चुनौती दी गई है, जिसके तहत इमाम की जमानत अर्जी खारिज कर दी गई थी। उच्च न्यायालय ने 30 जनवरी को दिल्ली पुलिस से जानना चाहा था कि क्या शरजील की जमानत अर्जी 'निर्णय' के लिए निचली अदालत के पास भेजी जा सकती है, क्योंकि इस राहत की मांग को खारिज करने संबंधी निचली अदालत के आदेश में उसका आधार नहीं बताया गया है। पीठ ने कहा था कि चूंकि, उच्चतम न्यायालय ने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा-124 ए (राजद्रोह) पर रोक लगा रखी है, ऐसे में शरजील के खिलाफ लगाई गई अन्य धाराओं को दिमाग में रखते हुए निचली अदालत के जमानत अर्जी खारिज किए जाने के आदेश का परीक्षण करना होगा। निचली अदालत ने पिछले साल शरजील पर आईपीसी की धारा 124 ए (राजद्रोह), 153 ए (वैमनस्य फैलाना), 153 बी (राष्ट्रीय एकता के लिए खतरनाक अवांछनीय हरकत), 505 (सामाजिक शांति भंग करने वाले बयान) तथा गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूपीए) की धारा 13 (अवैध गतिविधि के लिए दंड) के तहत आरोप तय किए थे।

## कांग्रेस नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा की कार से नीलगाय टकराई, बाल-बाल बचे

चंडीगढ़। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा (75) रविवार को सड़क हादसे में बाल-बाल बच गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि हुड्डा रविवार को किसी समारोह में जा रहे थे, तभी हरियाणा के हिसार जिले में बरवाला के निकट एक नीलगाय उनकी एसयूवी से टकरा गई। हादसे में कार का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। हिसार के पुलिस अधीक्षक गंगा राम पुनिया ने पीटीआई-को बताया, "अचानक एक नीलगाय सड़क पर आ गई और हुड्डा के वाहन से टकराई। हालांकि, वह बाल-बाल बच गए और वाहन में सवार किसी अन्य को कोई चोट नहीं आई।" वहीं, हुड्डा ने बताया कि हादसे में किसी को चोट नहीं लगी है।

## जामताड़ा की गैंग मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ में सक्रिय

रीवा। झारखंड के जामताड़ा गैंग ने अब अपनी टंगी का तरीका बदल दिया है। यह गैंग पहले की तुलना में अधिक साजिश हो गई है। रीवा पुलिस के हत्ये गैंग का एक बंदूकधारी गिरफ्तार हुआ है। उसके पुष्पाख और मोबाइल की डिटेल् से लाखों रुपए की टंगी का मामला उजागर हुआ है। रीवा पुलिस ने प्रदुमन मंडल नाम के 22 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है। इसमें 150 लोगों को फोन करके 48 लोगों के साथ टंगी की है। यह सिम बंद होने का झंझा देकर, टंगी करता था। पूछताछ में बंदूकधारी ने 50 से ज्यादा अधिक टंगी की घटनाओं को अभी तक स्वीकार किया है। इस बंदूकधारी ने एसएफ कॉलोनी निवासी आरक्षक हरीश चंद्र तिवारी के साथ फरवरी में फोन की सिम बंद होने की बात कहकर टंगी की थी। सिम चालू करने के नाम पर इसने 89000 रुपए एक एफ डउनलोड कराकर फरवरी माह में दंगे थे। रीवा पुलिस इसी मामले की जांच कर रही थी। रीवा पुलिस जामताड़ा से प्रदुमन को 4 अप्रैल को गिरफ्तार कर रीवा लेकर आई थी। पुलिस ने आरोपी के पास से तीन मोबाइल फोन और बड़ी संख्या में सिम जप्त की है। जामताड़ा गैंग ने उड़ीसा के मुख्य सचिव, मेडिकल कॉलेज के रिटायर्ड डीन पीसी द्विवेदी सहित मध्य प्रदेश के सिवनी, बालाघाट, छिंदवाड़ा जिले में कई टंगी के मामले सामने आए हैं। मध्यप्रदेश विधानसभा में विधायक यशपाल सिसोदिया के लिखित सवाल पर गृहमंत्री नरेंद्र मोदी ने विधानसभा में जो जानकारी दी है। उसके अनुसार मध्यप्रदेश में 2018 से लेकर अभी तक 71 करोड़ रुपए की टंगी के मामले सामने आए हैं। झारखंड की जामताड़ा गिरोह इस मामले में सबसे आगे रहती है। इसको वहां से गिरफ्तार करना भी पुलिस के लिए बड़ा मुश्किल होता है।

## बिजली गिरने से 8 की मौत

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक सहित देश के कुछ राज्यों में भारी बारिश और बिजली गिरने से देश में 8 लोगों की मौत हो गई है। इसमें मध्य प्रदेश के उस्तरपुर जिले के 4 लोग शामिल हैं। जिनकी मौत बिजली गिरने से हुई है। मौसम विभाग के अनुसार मध्य प्रदेश सहित पांच राज्यों में रविवार और सोमवार को भी हल्की एवं मध्यम बारिश की संभावना बनी हुई है।

## कांग्रेस नेताओं के परिवारजनों को भाजपा में शामिल करने की सुनियोजित रणनीति

चेन्नई। दक्षिण के राज्यों में जो भी कांग्रेस के नेता थे। उनके पुत्र, प्रपौत्र और उनके परिवारजनों को भाजपा में शामिल कराने का काम भाजपा एक अभियान के तहत कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों से प्रभावित होकर देश के पहले गवर्नर जनरल सी राजगोपालाचारी के प्रपौत्र सीआर केसन भी भाजपा में शामिल हो गए हैं। इसके पहले आंध्र के पूर्व मुख्यमंत्री किरण रेड्डी और केरल के कांग्रेस नेता एके एंटोनी के पुत्र अनिल एंटोनी भी भाजपा में शामिल हो गए हैं। दक्षिण के राज्यों में अपने पैर फैलाने के लिए, भारतीय जनता पार्टी कांग्रेस के उन नेताओं के पुत्र और प्रपौत्र को भाजपा में लेकर आ रही है। जिनकी दक्षिण के राज्य में बहुत साख है। नेता पुत्रों और उनके परिवारजनों के लिए भारतीय जनता पार्टी दक्षिण के राज्यों में अपना जनाधार बनाने की रणनीति तैयार की है। भाजपा इन दिनों बड़े पैमाने पर कांग्रेस परिवार के नेताओं को खोज-खोज कर ला रही है। जिनके स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन, अथवा स्वतंत्रता के बाद कांग्रेस से निकट का संबंध रहा है। कांग्रेस नेताओं के बल पर दक्षिण में भाजपा अपने पैर जमाने जा रही है। अब इसमें उसे कितनी सफलता मिलती है। इसका पता समय आने पर लगेगा।

## देश का पहला पेपरलेस डिजिटल कोर्ट

ठाणे। भारत का पहला डिजिटल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट महाराष्ट्र के नवी मुंबई का वाशी जिला कोर्ट बना है। मुंबई हाईकोर्ट के जज गौतम पटेल ने इसका उद्घाटन किया। यह कोर्ट पूरी तरह से पेपरलेस है।

हाईकोर्ट के जस्टिस पटेल का कहना है, तमाम विरोधाभासों के बावत भी पेपर लेस डिजिटल कोर्ट स्थापित करने में ठाणे ने बाजी मारी है। इसके बाद अन्य जिलों में भी डिजिटल पेपरलेस कामकाज बड़ी तेजी के साथ आगे बढ़ेगा। इसकी संभावना बन गई है।

# केजरीवाल ने मांगी पीएम मोदी की डिग्री तो भड़के उपराज्यपाल सक्सेना, मुख्यमंत्री पर निशाना साधकर कही बड़ी बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना और सीएम अरविंद केजरीवाल के बीच एक बार फिर से जुबानों जंग शुरू हो गई है। दोनों कई बार एक दूसरे से भिड़ चुके हैं वहीं अब एक बार फिर से दोनों आपस में खींचतान करते नजर आ रहे हैं। इस बार दिल्ली के उपराज्यपाल ने विनय सक्सेना ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर हमला बोला है।

हाल ही में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की डिग्री पर सवाल उठाए हैं जिसके बाद उपराज्यपाल विनय सक्सेना ने भी अब उपर हमला बोला है। उन्होंने अरविंद केजरीवाल का नाम लिए बिना ही कहा कि कुछ लोग आईआईटी से



डिग्री लेने के बाद भी अशिक्षित रह जाते हैं। उन्होंने कहा कि कोई डिग्री मिलने पर कोई अहम या गुमान नहीं होना चाहिए। डिग्री पढ़ई

को रसीद है जबकि शिक्षा ब्याक के आदर्श दर्शाती है। उन्होंने विधान सभा में की गई बातों का जिक्र करते हुए कहा कि विधानसभा में

## आदित्यनाथ ने देवरिया में 480 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया

देवरिया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को देवरिया में 480 करोड़ रुपये से अधिक की 223 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। आदित्यनाथ ने इस दौरान यहां एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि जनपद देवरिया की परम्परा ऋषि-मुनियों व संतों से जुड़ी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया के सामने एक आदर्श बन गया है। उन्होंने कहा, "सुशासन का मोदी मॉडल, देश और दुनिया में देखने को मिल रहा है। आज भारत को एक आदर्श के रूप में देखा जा रहा है।" उन्होंने कहा कि भारत में सुशासन का जो मॉडल है, उसी तर्ज पर उत्तर प्रदेश ने भी कार्य करना प्रारम्भ किया है। उन्होंने देवरिया के भलुअनी ब्लॉक के बहोर धनौती में नवनिर्मित सर. मरजादी देवी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) का भी लोकार्पण किया। इस केंद्र की लागत 216.23 लाख रुपये बतायी गयी है।

# नीतीश ने अडाणी मामले में पवार के बयान का नहीं किया समर्थन

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को राष्ट्विती कांग्रेस पार्टी (राकांपा) अध्यक्ष शरद पवार के विचार का समर्थन करने से इनकार कर दिया जिन्होंने अडाणी समूह के खिलाफ आरोपों की संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से जांच की विषयी दलों की मांग पर विरोधाभासी रुख अपनाया था। नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल (यूनाइटेड) संसद में जेपीसी की जांच की मांग का समर्थन करती रही है। हालांकि कुमार "उच्चतम न्यायालय द्वारा नियुक्त समिति" से जांच कराए के पवार के विचार से सहमत नहीं दिखे। पवार के रुख के बारे में पूछे जाने पर कुमार ने कहा, "मुझे मीडिया से इस बारे में पता चला है।"



कुमार पिछले साल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विरोध में पार्टियों को एकजुट करने के प्रयासों के तहत पवार से मिले थे। कुमार ने कहा, "इस बारे में उन्हें (पवार) विस्तार से बताना चाहिए कि वह क्या कह रहे हैं। अलग-अलग लोगों की अलग-अलग राय होती है।" कुमार के साथ जद(यू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन भी थे जो हाल में संपन्न संसद सत्र के दौरान अडाणी मुद्दे पर काफी मुखर थे। 'एनडीटीवी' के साथ एक साक्षात्कार में, पवार अदानी समूह के समर्थन में सामने आए और समूह के बारे में अमेरिकी वित्तीय

शोध कंपनी 'हिंडनबर्ग रिसर्च' की रिपोर्ट के बाद शुरू विमर्श की आलोचना की थी।

पवार ने कहा कि उन्होंने अडाणी समूह के खिलाफ आरोपों की जांच के लिए उच्चतम न्यायालय की एक समिति का समर्थन किया, क्योंकि सत्तारूढ़ पार्टी के पास संसद में संख्या बल के आधार पर जेपीसी में बहुमत होगा और इससे इस तरह की जांच पर संदेह पैदा होगा। अडाणी समूह ने अपनी कंपनियों के खिलाफ 'हिंडनबर्ग रिसर्च' द्वारा शेरों में हेरफेर के आरोपों से इनकार किया है। जद (यू) द्वारा यहां आयोजित इम्तार में शामिल हुए मुख्यमंत्री से सासातम और बिहारशरीफ शहरों में हाल में हुए सांप्रदायिक दंगों के बारे में भी पूछा गया। कुमार ने कहा, "दोनों जगहों पर प्रशासनिक तंत्र काम कर रहा है। जिन लोगों को किसी भी प्रकार का नुकसान हुआ है, उन्हें मदद और राहत प्रदान की जाएगी।"

## सचिन पायलट अशोक गहलोत के विरोध में उतरे, कहा भ्रष्टाचार के खिलाफ करेंगे एक दिवसीय अनशन

जयपुर। राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट 11 अप्रैल को ज्योतिबा फुले की जयंती के मौके पर एक दिवसीय अनशन करेंगे। इस दौरान जयपुर के शहीद स्मारक पर सचिन पायलट अनशन पर बैठेंगे। इस अनशन करने के ऐलान से सचिन पायलट ने साफ कर दिया है कि उन्होंने राजस्थान में अपनी ही सरकार के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। कांग्रेस विधायक सचिन पायलट का कहना है कि राज्य में भ्रष्टाचार व्याप्त है जिसके खिलाफ कार्रवाई नहीं हो रही है। ऐसे में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को घेरने के लिए सचिन पायलट ने ये कदम उठाने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष में रहने के दौरान जो भी घोटाले हुए हैं उन्हें अशोक गहलोत ने दबा दिया है। पायलट ने आरोप लगाया कि अशोक गहलोत ने पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के साथ सांठगांठ की है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने विधानसभा चुनावों में जनता से वादा किया था कि भ्रष्टाचार के मामलों की जांच की जाएगी। मगर सत्ता में आने के बाद अपने वादों को अशोक गहलोत ने पूरा नहीं किया और भ्रष्टाचार के सभी मामलों को दबा दिया। हमारी सरकार ने भ्रष्टाचार मिटाने का वादा किया था मगर उस स्तर पर कोई काम नहीं हुआ है।

सचिन पायलट ने कहा कि उन्होंने राजस्थान में भ्रष्टाचार के खिलाफ करेगें एक दिवसीय अनशन। उन्होंने कहा कि विपक्ष में रहने के दौरान जो भी घोटाले हुए हैं उन्हें अशोक गहलोत ने दबा दिया है। पायलट ने आरोप लगाया कि अशोक गहलोत ने पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के साथ सांठगांठ की है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने विधानसभा चुनावों में जनता से वादा किया था कि भ्रष्टाचार के मामलों की जांच की जाएगी। मगर सत्ता में आने के बाद अपने वादों को अशोक गहलोत ने पूरा नहीं किया और भ्रष्टाचार के सभी मामलों को दबा दिया। हमारी सरकार ने भ्रष्टाचार मिटाने का वादा किया था मगर उस स्तर पर कोई काम नहीं हुआ है।

## देश के अधिकतर राज्यों में 5 दिनों में 5 डिग्री तक बढ़ेगा तापमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर के अधिकतर राज्यों में पिछले महीने बारिश होने की वजह से लोगों को गर्मी से राहत मिलती रही। फरवरी में तापमान औसत से अधिक दर्ज किया गया था, लेकिन मार्च में इसमें काफी कमी आ गई। अब एक बार फिर से पाग बढ़ने लगा है। मौसम विभाग ने अगले पांच दिनों के लिए अलर्ट जारी करते हुए बताया है कि गर्मी का कहर बढ़ने वाला है। दरअसल, अगले पांच दिनों में देश के ज्यादातर राज्यों का अधिकतम तापमान तीन से पांच डिग्री सेल्सियस तक बढ़ जाएगा।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भी धीरे-धीरे तापमान में वृद्धि होने वाली है। आने वाले दिनों में यह तापमान बढ़ेगा हो। गुजरात में पाग एक बार फिर से 40 डिग्री को छूने वाला है। अहमदाबाद में तापमान मंगलवार को 40 डिग्री तक पहुंच जाएगा। इसके अलावा यूपी में भी गर्मी का कहर बढ़ने वाला है। राजधानी लखनऊ में 9 अप्रैल को अधिकतम तापमान 36 डिग्री रहा, जो 15 अप्रैल तक 40 डिग्री तक पहुंच जाएगा। वहीं, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, झारखंड, राजस्थान में भी गर्मी बढ़ने वाली है। कई राज्यों में बारिश रहेगी जारी मौसम विभाग के अनुसार देश के कुछ राज्यों में अब भी हल्की से मध्यम गर्त की बारिश जारी रहने वाली है। दक्षिण भारत के राज्यों तेलंगाना, तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराईकल और केरल में अगले पांच दिनों तक हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

# अतीक अहमद की पत्नी के खिलाफ हुई एफआईआर, बेटों की मुश्किलें भी बढ़ी

प्रयागराज (एजेंसी)। उमेश पाल हत्याकांड में जेल में बंद गैंगस्टर अतीक अहमद के परिवार की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही है। अतीक अहमद की पत्नी शाहस्ता परवीन, बेटे अली और शूटर शाकिर के खिलाफ पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। ये एफआईआर धूमनगंज थाने में लिखी गई है।



माना जा रहा है कि ये एफआईआर उमेश पाल हत्याकांड मामले में रिमांड पर लिए गए आरोपी राकेश उर्फ नाकेश उर्फ लाला से पूछताछ के बाद मिली जानकारी के बाद की गई है। प्रयागराज पुलिस ने उमेश पाल हत्याकांड मामले में माफिया अतीक अहमद की पत्नी शाहस्ता परवीन, बेटे अली, एक अन्य व्यक्ति मोहम्मद साबिर, राकेश उर्फ नाकेश उर्फ लाला और पांच अज्ञात लोगों के खिलाफ धूमनगंज थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। प्रयागराज पुलिस की मीडिया सेल द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, 24 फरवरी, 2023 को उमेश पाल और दो पुलिसकर्मियों की हत्या के संबंध में धूमनगंज थाना में दर्ज प्राथमिकी की विवेचना के दौरान अभियुक्त राकेश उर्फ नाकेश उर्फ लाला को पुलिस रिमांड पर लिया गया था।

अभियुक्त राकेश ने पूछताछ में बताया कि उसने शाहस्ता परवीन द्वारा दिए गए बैग को छुआया था। इस अभियुक्त की निशादेही पर बयामत हुए सामानों में अली अहमद की फोटो लगे हुए दो आधार कार्ड भी थे, जिसमें एक आधार कार्ड में मोहम्मद साबिर पुत्र मुने सिद्धिकी का नाम है जिसपर अली अहमद पुत्र अतीक का फोटो लगी है, जो कूटरेचित प्रतीत होता है। इस संबंध में शाहस्ता परवीन पत्नी अतीक अहमद, अली अहमद पुत्र अतीक अहमद, मोहम्मद साबिर, राकेश उर्फ नाकेश उर्फ लाला और पांच अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ शनिवार को थाना धूमनगंज में भारतीय दंड विधान की धारा 419/ 420/ 467/ 468/ 471 के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया। इस मामले की विवेचना निरीक्षक संजय कुमार सिंह द्वारा की जा रही है। इस संबंध में पुलिस सूत्रों का कहना है कि नकद इनाम बढ़ाने के बाद शाहस्ता पर नकेल कसे जाने के लिए पुलिस की तीव्र टीम तैनात की गई है। शाहस्ता पर डेजिनगर तैयार हो गया है। उसके खिलाफ धोखाधड़ी और सहित चार आपराधिक मामले भी लंबित हैं।

# शत-प्रतिशत टीकाकरण नहीं होने से तेजी से बढ़ रहा कोरोना

## -टीकों के प्रति अविश्वास के कारण नहीं हो सका ?नियंत्रण, लोगों को जागरूक करने की जरूरत

नई दिल्ली (एजेंसी)। तीन साल तक कोविड-19 के डर और दहशत में जीने के बाद जब दुनिया सामान्य स्थिति की ओर वापस लौट रही थी तो भारत में एक बार फिर सक्रमण तेजी से बढ़ रहा है जो यह दर्शाता है कि महामारी अभी भी नियंत्रण में नहीं है। देश में शनिवार 8 अप्रैल को कोविड-19 के 6,155 नए मामले दर्ज किए गए और सक्रिय मामलों की संख्या बढ़कर 30,000 से अधिक हो गई। जबकि रविवार को पांच हजार से अधिक नए मामले आ गए। दैनिक पॉजिटिविटी रेट का राष्ट्रीय औसत पांच प्रतिशत

को पार कर 5.63 प्रतिशत पर पहुंच गया। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, साप्ताहिक पॉजिटिविटी रेट 3.47 प्रतिशत रहा। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा शनिवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, नौ और लोगों की कोरोना से मौत के साथ ही मरने वालों की कुल संख्या 5,30,954 हो गई। वहीं टीका होकर अस्पताल से छुट्टी पाने वालों की संख्या 4.41 करोड़ पर पहुंच गई। भले ही देश में टीकाकरण दर के आंकड़े बहुत प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं। टीकाकरण के साइड इफेक्ट को लेकर चल रही डर सारी अफवाहों के कारण लोग टीका लगवाने से डर रहे हैं। सीके बिड़ला अस्पताल, गुरुग्राम में आंतरिक चिकित्सा विभाग के अध्यक्ष डॉ. रवींद्र

गुप्ता ने कहा, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर टीकों के खिलाफ बहुत सारे नकारात्मक प्रचार हैं, जिसके कारण लोगों ने दूसरा शॉट या बूस्टर खुराक नहीं लीया। राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान 16 जनवरी 2021 को शुरू हुआ था। अब तक कुल 220.66 करोड़ टीके लगाए जा चुके हैं। इनमें 95.21 करोड़ लोग सेकेंड डोज और 22.87 करोड़ लोग प्रिकॉशिन या बूस्टर डोज भी लगा चुके हैं। मंत्रालय के 8 अप्रैल 2023 के आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटे में टीके की 1,963 खुराकें लगाई गई हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में टीकाकरण की दर और भी कम है। रोहतक के गढ़ी बोहर गांव के रहने वाले प्रवेश नावल (38) ने मीडिया को बताया कि उनके गांव के अधिकांश लोगों ने टीके नहीं लगाए हैं। लेकिन उन्होंने किसी तरह दोनों खुराक के लिए



सर्टिफिकेट प्राप्त कर लिया है। उन्होंने कहा, बाद अधिकांश ग्रामीणों ने इसे लेने से परहेज लगवाने के बाद भी कई लोगों की मौत होने के किया।

## सरकार विरोधी गाने को लेकर 'रेपर' के खिलाफ मामला दर्ज

मुंबई। मुंबई पुलिस ने सरकार और प्रशासनिक तंत्र के खिलाफ कथित तौर पर गीत गाने को लेकर 'रेपर' उमेश खांडे के विरुद्ध मामला दर्ज किया है। एक पुलिस अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि इस साहस दो 'रेपर' के खिलाफ सरकार को कथित रूप से निशाना बनाने को लेकर मामले दर्ज किये हैं। नये मामले के सिलसिले में मुंबई पुलिस की अपराध शाखा इकाई के एक अधिकारी ने शिकायत दर्ज की थी। अधिकारी ने बताया कि इस शिकायत के आधार पर वडाळा क्षेत्र के रेपर उमेश खांडे के खिलाफ उनके गाने 'भोगली केली जनता' (जिसमें जनता की पीड़ा का जिक्र है) को लेकर शुकुवार को प्राथमिकी दर्ज की गयी। उन्होंने बताया कि खांडे ने शोभो अकाउंट नाम से एक सोशल मीडिया मंच पर गाना अपलोड किया था और यह गाना वायरल हो गया। अधिकारी ने बताया कि खांडे के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धाराओं 504 (शांति भंग करने की मंशा से जानबूझकर अपमान करना), 505 (2) (वर्गों के बीच वैमनस्य, शत्रुता एवं दुर्भावना फैलाने वाला बयान) तथा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 67 (इलेक्ट्रॉनिक रूप में अश्लील/अशोभनीय सामग्री प्रकाशित करना/फैलाना) के तहत मामला दर्ज किया गया है। अधिकारी ने बताया कि बुधस्वतिवार को खांडे से पूछताछ की गयी और पूछताछ के बाद उन्हें जाने दिया गया। जब कि शुकुवार को प्राथमिकी दर्ज किये जाने के बाद खांडे को नॉटिस जारी किया गया और उनसे कहा गया कि जब भी जरूरत होगी, उन्हें जांच अधिकारी के सामने पेश होना होगा। इधर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता जितेंद्र आव्हाड ने ट्वीट किया था कि खांडे के गाने में कुछ भी आपत्तिजनक नहीं है।



## संपादकीय

## काल करे।

## सो आज कर

समय बड़ा अमूल्य है। हम अपने जीवन में हर पल - हर क्षण को सहज सुन्दर बनाने हुए जीते जाये। प्रायः आदमी यह सोचता है कि अध्यात्म साधना तो बुढ़ापे में करनी होती है। अभी तो करेगे बस सैर सपाटे और मौज-मस्ती। पर यही सोच तो हमें तरने नहीं देती संसार सागर की कश्ती। सबकुछ जानते हुए भी अनजान बनने की इन्सान की प्रवृत्ति होती है। परिवर्तन स्वाभाविक है जीव और अजीब सब में गुण हमेशा साथ रहता है और पर्याय बदलते रहते हैं हमें दिशा परिवर्तन करने की आवश्यकता होती है। विवेक से अपने कर्म संस्कारों को खपाकर आत्मलीन होकर अपना भव भ्रमण को सीमित करने की सोचने की ओर अग्रसर होना चाहिए। यही हमारा आत्मशुद्धि कालक्षय होना चाहिए। अब वस्त्र मोर एटी फॉर से हम बचे। जीवन को हम गतिमान करने का सदैव प्रयत्न करके, शक्तिमान समय के काल - भाव के आगे झुके, बाधाओं से कभी हम हार ना माने, दुःख उल्लास से निरन्तर हम बड़े आगे, कामयाबी के हर साज पर गुनगुनाए, चलते हुए कदमों की हौसला अफजाई हो। जीवन का काल नहीं है निश्चित फिर क्यों हो हम इससे भयभीत। हरे सदा अपनी मौज - मस्ती में जिसमें पापों से हो छुट्टी। कथायो से हो हमारी मुक्ति। अभय बनने की पी ले ऐसी घुंटी जिससे मौत के आभास को मिल जाये शान्ति। मानव यह जानता है की कभी भी दगा दे सकता है ये नश्वर तन अपना फिर भी संजोए बैठता है बुढ़ापे का सपना। अध्यात्म साधना के लिए उम्र की कोई दरकार नहीं होती यदि ये होता तो क्या छोटे-बालको की मुनी दीक्षा होती? तो हम जब जागो तब सवेरा वाली नीति अपनाए। और समय रहते अध्यात्म साधना में लग जाए ताकि भव भव के बन्धन को कुछ अंशो में तोड़ पाए। तभी तो कहा है की काल करे सो आज कर

आज करे सो अब। पल में परलै होयेगी बहुरि करेगो कब ॥



प्रदीप छाजेड़  
(बोरावड़)

## आज का राशिफल

<b>मेष</b>	पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाई या पड़ोसी से तनाव मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग है।
<b>वृषभ</b>	जीवनसाथी का सहयोग व सान्निध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। आर्थिक तथा व्यावसायिक योजना सफल होगी। सन्तान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।
<b>मिथुन</b>	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अंधलापा पूरी होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।
<b>कर्क</b>	बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। सन्तान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। विरोधी परास्त होंगे। धन लाभ की संभावना है।
<b>सिंह</b>	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। आय के नवीन स्रोत बनेंगे।
<b>कन्या</b>	जीवनसाथी का सहयोग व सान्निध्य मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।
<b>तुला</b>	जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। सन्तान के दायित्व को पूर्ति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे।
<b>वृश्चिक</b>	पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। सन्तान के कारण चिन्तित रहें। वाद विवाद की स्थिति से बचें। आर्थिक योजना सफल होगी। जलवायु में कोई निर्णय न लें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।
<b>धनु</b>	व्यावसायिक तथा आर्थिक योजना फलीभूत होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। अनवश्यक खर्च का सामना करना पड़ सकता है। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा।
<b>मकर</b>	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। सन्तान के दायित्व को पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। किया गया परिश्रम सार्थक होंगे।
<b>कुम्भ</b>	रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। वाणी की सोम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती है। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।
<b>मीन</b>	जीवनसाथी का सहयोग व सान्निध्य मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। पराक्रम में वृद्धि होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें।

## विचार मंचन

(लेखक - सनत जैन)

पिछले कुछ वर्षों में मीडिया में सरकार की वाहवाही और सरकार जिस तरह की जानकारी आम जनता तक पहुंचाना चाहती है। वहीं मीडिया में आ रही है। पिछले 9 वर्षों में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रिंट मीडिया में जिस तरह से जनता के सरोकार से जुड़े हुए समाचार प्रकाशित और दिखना बंद हो गए हैं। उससे आम जनता के बीच में मीडिया के प्रति अविश्वास बढ़ गया है। मीडिया से विपक्ष लगभग गायब हो गया है। जिसके कारण आम जनता एक ही पक्ष को सुनते और देखते हुए मीडिया की विश्वसनीयता पर सवाल उठाने लगी है। पिछले दो-तीन सालों से आम जनता के बीच में गोदी मीडिया की बड़ी चर्चा होती है। गोदी मीडिया अर्थात् जो सरकार की गोद में बैठा है। टीवी के एक एंकर ने गोदी मीडिया के नाम से संबोधित किया, उसके बाद से यह आम जनता के बीच में

बड़ी तेजी के साथ बोला जाने लगा। प्रिंट मीडिया में भी अब विपक्ष लगभग गायब हो गया है, जिसके कारण आम जनमानस की रूचि चैनल देखने या अखबार पढ़ने के स्थान पर सोशल मीडिया के जरिए प्राप्त हो रही है। टीवी चैनलों में जिस तरह से पैनाल में बहस चल रही होती है, उसे मुर्गा की लड़ाई की संज्ञा दी जाने लगी है। जहां एंकर मुर्गों को बढ़ाते हैं और देखने वाले उसका मजा लेते हैं। पिछले दो-तीन वर्षों में जो न्यूज़ एंकर नौकरी से निकाले गए थे, जिन संपादकों की नौकरियां चली गई थीं, जो रिपोर्टर अखबारों और टीवी चैनलों से निकाल दिए गए थे, वह यूट्यूब के माध्यम से चैनल बनाकर बड़ी तेजी के साथ आगे बढ़ रहे हैं। देश एवं दुनिया में सोशल मीडिया पर देखने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है। सोशल मीडिया से जो खबरें लोगों को मिल रही हैं, वह खबरें अखबारों और टीवी चैनलों में उपलब्ध नहीं होती हैं। आम जनता में सोशल मीडिया के

चुनिदा प्लेटफॉर्म पर भरपूर बढ़ रहा है। सोशल मीडिया एक ऐसा प्लेटफॉर्म है, जहां पर कोई रोक-टोक नहीं है। पिछले एक-दो वर्षों में सोशल मीडिया में बड़े-बड़े पत्रकार जुड़े। इन्होंने अपने चैनल शुरू किए, स्वतंत्रता के साथ अपनी बात और समाचार दे रहे थे। जिसके कारण सरकार को समय-समय पर परेशानियों का सामना भी करना पड़ रहा है। सोशल मीडिया से सरकार की चिंताएं लगातार बढ़ती ही जा रही थीं। सरकार के लिये सर्वोच्च प्राथमिकता में सोशल मीडिया पर नकल करने का आ गया था। लोकसभा और राज्यसभा का बजट सत्र जैसे ही खत्म हुआ। सरकार ने सोशल मीडिया को नियंत्रित करने फेब्टेक के आधार पर जिस कंटेंट को सरकार हटाना चाहती है। उसको तुरंत हटाने की शक्तियां अब सरकार के पास आ गई हैं। इसके साथ ही सरकार की बात नहीं मानने पर उन चैनलों को इंटरनेट और सोशल मीडिया के प्लेटफॉर्म से

हटाने के अधिकार भी सरकार ने अपने पास ले लिए हैं। पिछले कुछ माह से केंद्र सरकार की पीआईडी और राज्य सरकारों के जनसंपर्क विभाग के अधिकारी सोशल मीडिया और अखबारों पर निगाह रख रहे थे। खबरों का फेब्टेक चेक कर रहे थे। जो खबरें सरकार के अनुकूल नहीं होती थीं, उन्हें फेब्टेक चेक में नकार दिया जाता था। सोशल मीडिया पर यह अधिकार आसानी से सरकार के पास उपलब्ध नहीं था। गुगल, फेसबुक, यूट्यूब, ट्यूटोर जैसे प्लेटफॉर्म अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काम कर रहे थे। सरकार को किसी कंटेंट को हटाने के लिए इनके पास निदेश भेजने होते थे। वह पॉलिसी के अनुसार कंटेंट को हटाते भी थे और नहीं भी हटाते थे। सरकार ने जो नया संशोधन किया है। उसके बाद अब इन अंतरराष्ट्रीय सोशल मीडिया के प्लेटफॉर्म को भी तुरंत कंटेंट हटाने की जिम्मेदारी होगी। इंटरनेट पर और सोशल मीडिया पर जो भी कंटेंट सरकार रोकना चाहेगी। अब उसका

कानूनी अधिकार सरकार के पास आ गया है। इससे एक तरह से सोशल मीडिया पर सरकार की सेंसरशिप लागू हो गई है। इसके अलावा चलेकर परिणाम क्या होंगे, सरकार यह सोच नहीं रही है। मीडिया तभी तक मीडिया है, जब उसमें सभी पक्षों का समावेश हो जब मीडिया में एक ही तरह के समाचार और एक ही विचारधारा होगी। ऐसे में पाठक अथवा दर्शक का विश्वास इस तरह के मीडिया पर नहीं होता है। 1975 में जब आपातकाल लागू हुआ था उस समय भी लोग आकाशवाणी और दूरदर्शन पर विश्वास नहीं करते थे। आदरणीय प्रधानमंत्री जी भी बोल चुके हैं कि वह बीबीसी पर विश्वास करते थे। उस समय प्रिंट मीडिया सरकारी नियंत्रण से बाहर था। जिसके कारण प्रिंट मीडिया में सेंसरशिप लगाई गई थी। उस समय सरकार को खिलाफ समाचार यदि कोई समाचार पत्र लिखना चाहता था, तो सरकार के अधिकारी उस समाचार को हटा देते थे।

## रिकॉर्ड निर्यात से अर्थव्यवस्था को संबल

जयंतिलाल भंडारी



गत चार अप्रैल को वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने कहा कि भारत का वाणिज्यिक वस्तुओं का निर्यात पिछले वित्त वर्ष 2022-23 में 447 अरब डॉलर पहुंच गया है, जो एक साल पहले 442 अरब डॉलर था। साथ ही सेवाओं के निर्यात में बहुत ज्यादा बढ़ोतरी हुई है और यह पिछले वित्त वर्ष में 320 अरब डॉलर पार कर गया है, जो एक साल पहले 254 अरब डॉलर था। ऐसे में वस्तुओं और सेवाओं का निर्यात 767 अरब डॉलर के करीब होगा। मंत्री ने इंडियन रिपोर्ट 'एक्सप्रेस डिलिवरी सर्विसेज सपोर्टिंग द जर्नी टूवाइस इंडिया 2024' जारी करते हुए कहा कि बढ़ते हुए निर्यात के कारण देश की विकास दर भी लगातार बढ़ेगी और भारत 2047 तक दुनिया का विकसित देश बनने की संभावनाओं को यथार्थ रूप दे सकेगा। निःसंदेह देश निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था की उमर पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस समय भारत के तेजी से बढ़ते निर्यातों का ग्राफ इस बात का प्रतीक है कि भारतीय उत्पादों की मांग दुनियाभर में बढ़ रही है। यदि हम उत्पाद निर्यात के नए आंकड़ों का विश्लेषण करें तो पाते हैं कि प्रमुख रूप से निर्यात अमेरिका, यूएई, चीन, बांग्लादेश व नीदरलैंड को भी बड़े पैमाने पर किए गए हैं। निर्यात उत्पादों के मद्देनजर पेट्रोलियम उत्पादों, इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद, इंजीनियरिंग उत्पाद, चमड़ा, कॉफी, प्लास्टिक, रेडीमेड परिधान, मांस एवं दुग्ध उत्पाद, समुद्री उत्पाद और तंबाकू की निर्यात वृद्धि में अहम भूमिका रही है। साथ ही उच्च इंजीनियरिंग निर्यातों, परिधान और वस्त्र निर्यात आदि से संकेत मिलते हैं कि यह धारणा धीरे-धीरे बदल रही है कि भारत प्राथमिक जित्सों का ही बड़ा निर्यातक है। अब भारत द्वारा अधिक से अधिक मूल्यवर्धित और उच्च गुणवत्ता वाले सामानों का निर्यात भी किया जा रहा है। यह भी महत्वपूर्ण है कि भारत विश्व पटल पर कृषि निर्यात के नए उभरते हुए देश के रूप में उपस्थिति दर्ज करते हुए मानवता के आधार पर दुनिया के जरूरतमंद देशों के लिए खाद्यान्न की आपूर्ति भी सुनिश्चित कर रहा है। भारत से खाद्य पदार्थों अनाज, गैर-बासमती चावल, गेहूं, बाजरा, मक्का और अन्य मोटे अनाज के अलावा फलों एवं सब्जियों के निर्यात में भारी वृद्धि देखी गई है। कृषि एवं प्रसंस्करण खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीड) के मुताबिक पिछले वित्तीय वर्ष 2020-21 में खाद्य उत्पादों का निर्यात 25 अरब डॉलर था, यह वर्ष 2022-23 से 30 अरब डॉलर के पार पहुंच जाएगा। कृषि मंत्रालय के मुताबिक सरकार द्वारा कृषि क्षेत्र में ज्यादा मूल्य और मूल्यवर्धित कृषि निर्यात को बढ़ावा दिया गया है। गहराई से कृषि निर्यात परिदृश्य का अध्ययन करने के बाद कृषि निर्यात से सुधार के लिए रणनीतिक कदम उठाए गए हैं। ऐसे में वित्तीय वर्ष 2022-23 में कृषि निर्यात रिकॉर्ड स्तर पर दिखाई दे रहा है। वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन द्वारा प्रकाशित वैश्विक कृषि व्यापार में रुझान रिपोर्ट 2021 के मुताबिक दुनिया में कृषि निर्यात में भारत ने नौवां स्थान हासिल किया है। देश के कुल निर्यात में कृषि की हिस्सेदारी 11 प्रतिशत से अधिक हो गयी। संयुक्त राष्ट्र के कृषि विभाग की रिपोर्टों को देखें तो पाते हैं कि वर्ष 2018-19 में वैश्विक चावल निर्यात में भारत की हिस्सेदारी 22 फीसदी थी, जो वित्त वर्ष 2021-22 में 40 फीसदी हो गई।

इसी तरह वित्त वर्ष 2019-20 में वैश्विक गेहूं निर्यात में भारत की हिस्सेदारी 0.3 फीसदी थी जो वर्ष 2021-22 में पांच फीसदी तक पहुंच गई। खास बात यह है कि कोविड-19 के कारण भारत के सेवा निर्यात में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है। कोविड-19 के बाद दो साल में कुल आईटी सेवाओं के निर्यात में 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। कोविड-19 ने अधिकांश उद्योगों को डिजिटल निवेश और मल्टी-चैनल व्यवसाय में तेजी लाने के लिए प्रेरित किया और कंपनियों के बैंक-एंड प्रोद्योगिकी बुनियादी ढांचे को ज्यादा बेहतर और अनुकूल बनाने के लिए प्रवृत्त किया है। आईटी सेवाओं की कुल सेवा निर्यात में लगभग 70 प्रतिशत की हिस्सेदारी है। इसमें कंप्यूटर सेवाओं की हिस्सेदारी सबसे अधिक है। फिर पेशेवर और प्रबंधन परामर्श सेवाएं, तकनीकी और व्यापार से संबंधित सेवाएं और अनुसंधान और विकास क्षेत्रों में भी सेवा निर्यात में प्रभावी वृद्धि हुई है। उल्लेखनीय है कि जिस तेजी से देश में रोलबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) की संख्या बढ़ी है, उतनी ही तेजी से आईटी सेवाओं के निर्यात में भी वृद्धि हुई है। ज्ञातव्य है कि भारत के नवाचार दुनिया में सबसे प्रतियोगी, किफायती, टिकाऊ, सुरक्षित और बड़े स्तर पर लागू होने वाले समाधान प्रस्तुत कर रहे हैं। भारत में इंटरनेट ऑफ थिंग्स, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डेटा एनालिटिक्स जैसे क्षेत्रों में शोध और विकास और जबरदस्त स्टार्टअप माहौल के चलते ख्याति प्राप्त वैश्विक फार्मसी कंपनियां, वैश्विक फायनेंस और कॉमर्स कंपनियां अपने कदम तेजी से बढ़ा रही हैं। अमेरिका, यूरोप और एशियाई देशों की बड़ी-बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने भारत में जीसीसी स्थापित किए हैं। यह संख्या वित्त वर्ष 2015-16 में करीब 1000 से अधिक थी, वहीं यह बढ़कर वित्त वर्ष 2022-23 में 1500 से अधिक हो गई है। वास्तव में, भारत में लगभग 40 प्रतिशत वैश्विक जीसीसी हैं। इसमें कोई दो मत नहीं है कि पिछले वर्ष 2022 में देश से निर्यात बढ़ाने में भारत द्वारा यूएई और ऑस्ट्रेलिया के साथ किए गए मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) की भी प्रभावी भूमिका रही है। यह भी भारत की बढ़ती हुई वैश्विक निर्यात साख की सफलता है कि रिजर्व बैंक आरबीआई ने जुलाई, 2022 में

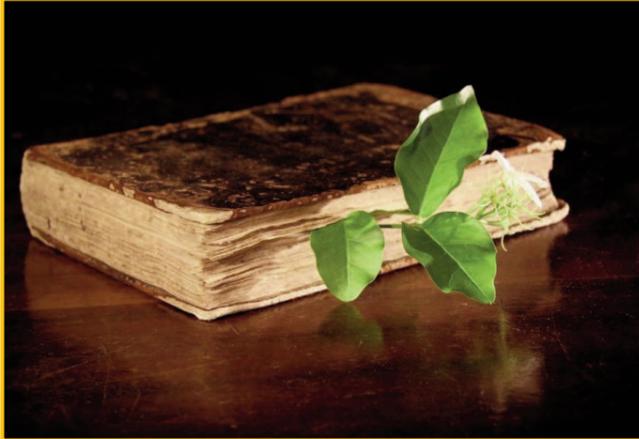
डॉलर पर निभरता कम करने और निर्यात बढ़ाने के लिए विदेशी व्यापार का लेन-देन रुपये में करने का प्रस्ताव किया था। गत 15 मार्च तक रूस, मारीशस व श्रीलंका द्वारा भारतीय रुपये में विदेश व्यापार शुरू करने के बाद अब तक 18 देशों के बैंकों ने रुपये में व्यापार करने के लिए विशेष वॉस्ट्रो खाते खोले हैं। दुनिया के 35 से अधिक देशों ने रुपये में व्यापार करने में रुचि दिखाई है। इससे भारत को निर्यात के मोर्चे पर बड़ा लाभ मिलेगा। हमें विभिन्न उद्योगों से निर्यात बढ़ाने के वैसे ही प्रयत्न करने होंगे जैसे पिछले तीन-चार वर्षों में खिलौना उद्योग के लिए किए गए हैं। देश में खिलौना उद्योग के रणनीतिक विकास से भारत में पिछले तीन वर्षों में खिलौने के आयात में 70 फीसदी की कमी आई है। साथ ही भारत का खिलौना निर्यात करीब 300 करोड़ रुपये से तेजी से बढ़कर करीब 2600 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया है। भारत से अमेरिका, ब्रिटेन, यूरोपीय यूनियन, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका सहित कई देशों को खिलौने निर्यात किए जा रहे हैं। अब देश को निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था बनाने के लिए हमें कई बातों पर ध्यान देना होगा। भारत द्वारा अब यूरोपीय संघ, ब्रिटेन, कनाडा, खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के छह देशों, दक्षिण अफ्रीका, अमेरिका और इस्राइल के साथ एफटीए के लिए प्रगतिपूर्ण वार्ताएं तेजी से पूरी करनी होंगी। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा डिजिटल रुपये की जो प्रायोगिक शुरुआत हुई है, उसे अब शीघ्रता से विस्तारित करना होगा। निर्यात बढ़ाने के लिए आत्मनिर्भर भारत अभियान में मैनुफैक्चरिंग के तहत चिन्हित 24 सेक्टर को प्राथमिकता के साथ तेजी से आगे बढ़ाया जाना होगा। विशेष आर्थिक क्षेत्र (सेज) की भूमिका निर्यात बढ़ाने में अहम बनाई जानी होगी। ऐसे रणनीतिक प्रयासों के साथ-साथ हाल ही में एक अप्रैल, 2023 से लागू हुई विदेश व्यापार नीति के उपयुक्त कार्यान्वयन से भारत निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था बनने की उमर पर तेजी से आगे बढ़ेगा और वर्ष 2030 तक वस्तुओं एवं सेवाओं के निर्यात के लिए निर्धारित किए गए 2 लाख करोड़ डॉलर का लक्ष्य प्राप्त करते हुए दिखाई दे सकेगा। लेखक अर्थशास्त्री हैं।

## यूनानी चिकित्सा पद्धति आज भी लोकप्रिय है

(लेखक - मुकेश तिवारी)

हिंदुस्तान में यूनानी चिकित्सा पद्धति की शुरुआत 10 वीं शताब्दी से मानी जाती है। जिस तरह से हमारे मुलक में आयुर्वेद पद्धति हुआ टीक उसी तर्ज पर अरब में यूनानी चिकित्सा पद्धति का विकास हुआ अनेक विद्वानों का कहना है कि यूनानी चिकित्सा पद्धति भी आयुर्वेद की ही देन है और उसमें भी आयुर्वेदिक जड़ी बूटियों का भरपूर उपयोग किया जाता है। यह कड़वा सच है कि हिंदुस्तान जैसे ही अंग्रेजों का गुलाम बना तो अंग्रेजों ने सबसे पहले आयुर्वेद को नेस्तनाबूद करने के लिए आयुर्वेद के अति दुर्लभ ग्रंथों को विदेश में भिजवा दिया था। उसी से यूनानी तिब्य का उदय हुआ। हालांकि यूनानी चिकित्सा पद्धति को लेकर इतिहासकारों में काफी मतभेद हैं। हकीम अब्दुल लतीफ फल्की और हकीम गुलाम जिलानी यूनानी चिकित्सा पद्धति कि जन्म स्थली हिंदुस्तान को ही मानते हैं। हकीमको जो भी हो लेकिन इसमें कोई मतभेद नहीं है कि यूनान में इस पद्धति की तरकी हुई और दर्जनों पुस्तकें लिखी गई हकीम वह रात में यूनानी चिकित्सा पद्धति पर तमाम सारी पुस्तकें लिखी और उनके शिष्यों ने भी इस कार्य को गति दी कई अन्य अध्ययनों से भी यह बात सामने आई है कि हकीम जालीनुस के समय में यूनानी चिकित्सा पद्धति की जड़े मजबूत हुईं। इस दौरान तमाम सारे अनुसंधान भी हुए जिससे यूनानी चिकित्सा पद्धति की जड़ें और मजबूत हुईं तथा अनेक अनुसंधान भी हुए। चीन मिस्र का बुलावा आदि देशों में काफीकाफी फली फूली इसके बाद यह पद्धति की इस्लामिक देशों और अरब में आई यह जानकारी राजी शेख अबू अली बिन सीना की वजह से खुब फली फूली शेष अरब जैसी शक्तिशाली की लिखी पुस्तकें इतनी

प्रसिद्ध हुई कि इन्हें 18वीं सदी में यूरोप की शैक्षणिक संस्थाओं तक में पढ़ाए जाने लगा। इसके पश्चात यह पद्धति ईरान से होती हुई हिंदुस्तान में वापस लौटी और पुनः यहीं की होकर रह गई। मुगलों के कार्यकाल में इस पद्धति का डंका पूरे हिंदुस्तान में बजने लगा। हजारों पुस्तकें अरबी और पश्तो भाषा में लिखी गई हिंदुस्तान में जब ब्रिटिश हुकूमत ने राज किया। इस पद्धति को भी नेस्तनाबूद करने के प्रयास किए गए लेकिन चूँकि इन पद्धतियों की जड़ें गहरी थी यह आम जनता के मध्य लोकप्रिय थी इसलिए यह पूरी तरह नेस्तनाबूद नहीं हो सकी इसलिए दिल्ली में शरीफी खानदान तथा लखनऊ में अजीजी खानदानों ने इसके विकास के लिए संस्थानों की नींव डाली। बुक रात और जालीनुस का कहना था कि जो आदमी जिस मुल्क का रहने वाला है उसको उस देश की ही जड़ी बूटियों से फायदा पहुंच सकता है। आयुर्वेद में भी इसी तरह की बात कही गई है। यूनानी चिकित्सा पद्धति की बुनियाद अरबिस्तान अखलात और मिजाज पर निर्भर है। चार अनासिर यानि आग पानी हवा और मिट्टी जिससे दुनिया की हर चीज बनी है। इसी तरह चार अखलात यानि खून सफारा बलगम (श्लेष्मा) और सौदा। इसके खास अनुपात में मनुष्य के जीवन में मीजुड रहने पर ही उसका श्वास उसका स्वास्थ्य कायम रहता है और जब इस में अंतर आता है तो मनुष्य बीमार पड़ जाता है। इसी प्रकार प्रत्येक आदमी का खास मिजाज होता है। जब वह मिजाज किसी कारण से बदल जाता है तो बीमारी उत्पन्न होती है इस प्रकार जब आदमी के अंदर विकार आया अनुपात या मिजाज में बिगाड़ पैदा होता है। तो आदमी बीमार पड़ता है तो आदमी ने जिस चीज की कमी या बढ़ोतरी देखी जाती है तो उसी को चिकित्सा की



बुनियाद बनाया जाता है। इसी प्रकार जड़ी बूटियों में भी मिजाज माना जाता है। यानी कुछ औषधियां गर्म तासीर वाली होती है तो कुछ ठंडी तासीर वाले ये दोनों ही या तो तर होती है या खुश्क अगर किसी आदमी में गर्मी बढ़ गई है तो उसे ऐसी दवा देंगे जो भी कमी काम करने वाली होगी या किसी में अगर पित्त बढ़ गया है तो उसे ऐसी दवा देंगे जो उसे तत्काल कम करे इन्हीं आधारों पर यूनानी पद्धति में उपचार किया जाता है। यूनानी पद्धति प्रारंभ से ही आम जनता में काफी लोकप्रिय रही है लेकिन चूँकि यूनानी भाषा में से यह पद्धति अरबी और पश्तो में हस्तांतरित हुई बल्कि यह कहा जाए कि इन भाषाओं में तो और भी वृद्धि हुई लेकिन चूँकि उर्दू में इसका साहित्य उपलब्ध नहीं है उपलब्ध ना नहीं है ना ही हिंदी में इसलिए इस

पद्धति के विकास के लिए अरबी और पश्तो से इन भाषाओं के अनुवाद की निहाय आवश्यकता है। इसके साथ ही के तिबतिया कॉलेजों में भी प्राध्यापकों की काफी कमी है कुछ कॉलेजों में तो सिर्फ दो-तीन प्राध्यापक ही पूरा कॉलेज चलाते हैं अतः पित्त में कार्य करने वाली होगी या किसी में अगर पित्त बढ़ गया है तो उसे ऐसी दवा देंगे जो उसे तत्काल कम करे इन्हीं आधारों पर यूनानी पद्धति में उपचार किया जाता है। यूनानी पद्धति प्रारंभ से ही आम जनता में काफी लोकप्रिय रही है लेकिन चूँकि यूनानी भाषा में से यह पद्धति अरबी और पश्तो में हस्तांतरित हुई बल्कि यह कहा जाए कि इन भाषाओं में तो और भी वृद्धि हुई लेकिन चूँकि उर्दू में इसका साहित्य उपलब्ध नहीं है उपलब्ध ना नहीं है ना ही हिंदी में इसलिए इस

## मीडिया पर सरकारी पहरे से सरकार की विश्वसनीयता पर असर

(लेखक - सनत जैन)

पिछले कुछ वर्षों में मीडिया में सरकार की वाहवाही और सरकार जिस तरह की जानकारी आम जनता तक पहुंचाना चाहती है। वहीं मीडिया में आ रही है। पिछले 9 वर्षों में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रिंट मीडिया में जिस तरह से जनता के सरोकार से जुड़े हुए समाचार प्रकाशित और दिखना बंद हो गए हैं। उससे आम जनता के बीच में मीडिया के प्रति अविश्वास बढ़ गया है। मीडिया से विपक्ष लगभग गायब हो गया है। जिसके कारण आम जनता एक ही पक्ष को सुनते और देखते हुए मीडिया की विश्वसनीयता पर सवाल उठाने लगी है। पिछले दो-तीन सालों से आम जनता के बीच में गोदी मीडिया की बड़ी चर्चा होती है। गोदी मीडिया अर्थात् जो सरकार की गोद में बैठा है। टीवी के एक एंकर ने गोदी मीडिया के नाम से संबोधित किया, उसके बाद से यह आम जनता के बीच में

बड़ी तेजी के साथ बोला जाने लगा। प्रिंट मीडिया में भी अब विपक्ष लगभग गायब हो गया है, जिसके कारण आम जनमानस की रूचि चैनल देखने या अखबार पढ़ने के स्थान पर सोशल मीडिया के जरिए प्राप्त हो रही है। टीवी चैनलों में जिस तरह से पैनाल में बहस चल रही होती है, उसे मुर्गा की लड़ाई की संज्ञा दी जाने लगी है। जहां एंकर मुर्गों को बढ़ाते हैं और देखने वाले उसका मजा लेते हैं। पिछले दो-तीन वर्षों में जो न्यूज़ एंकर नौकरी से निकाले गए थे, जिन संपादकों की नौकरियां चली गई थीं, जो रिपोर्टर अखबारों और टीवी चैनलों से निकाल दिए गए थे, वह यूट्यूब के माध्यम से चैनल बनाकर बड़ी तेजी के साथ आगे बढ़ रहे हैं। देश एवं दुनिया में सोशल मीडिया पर देखने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है। सोशल मीडिया से जो खबरें लोगों को मिल रही हैं, वह खबरें अखबारों और टीवी चैनलों में उपलब्ध नहीं होती हैं। आम जनता में सोशल मीडिया के

चुनिदा प्लेटफॉर्म पर भरपूर बढ़ रहा है। सोशल मीडिया एक ऐसा प्लेटफॉर्म है, जहां पर कोई रोक-टोक नहीं है। पिछले एक-दो वर्षों में सोशल मीडिया में बड़े-बड़े पत्रकार जुड़े। इन्होंने अपने चैनल शुरू किए, स्वतंत्रता के साथ अपनी बात और समाचार दे रहे थे। जिसके कारण सरकार को समय-समय पर परेशानियों का सामना भी करना पड़ रहा है। सोशल मीडिया से सरकार की चिंताएं लगातार बढ़ती ही जा रही थीं। सरकार के लिये सर्वोच्च प्राथमिकता में सोशल मीडिया पर नकल करने का आ गया था। लोकसभा और राज्यसभा का बजट सत्र जैसे ही खत्म हुआ। सरकार ने सोशल मीडिया को नियंत्रित करने फेब्टेक के आधार पर जिस कंटेंट को सरकार हटाना चाहती है। उसको तुरंत हटाने की शक्तियां अब सरकार के पास आ गई हैं। इसके साथ ही सरकार की बात नहीं मानने पर उन चैनलों को इंटरनेट और सोशल मीडिया के प्लेटफॉर्म से

हटाने के अधिकार भी सरकार ने अपने पास ले लिए हैं। पिछले कुछ माह से केंद्र सरकार की पीआईडी और राज्य सरकारों के जनसंपर्क विभाग के अधिकारी सोशल मीडिया और अखबारों पर निगाह रख रहे थे। खबरों का फेब्टेक चेक कर रहे थे। जो खबरें सरकार के अनुकूल नहीं होती थीं, उन्हें फेब्टेक चेक में नकार दिया जाता था। सोशल मीडिया पर यह अधिकार आसानी से सरकार के पास उपलब्ध नहीं था। गुगल, फेसबुक, यूट्यूब, ट्यूटोर जैसे प्लेटफॉर्म अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काम कर रहे थे। सरकार को किसी कंटेंट को हटाने के लिए इनके पास निदेश भेजने होते थे। वह पॉलिसी के अनुसार कंटेंट को हटाते भी थे और नहीं भी हटाते थे। सरकार ने जो नया संशोधन किया है। उसके बाद अब इन अंतरराष्ट्रीय सोशल मीडिया के प्लेटफॉर्म को भी तुरंत कंटेंट हटाने की जिम्मेदारी होगी। इंटरनेट पर और सोशल मीडिया पर जो भी कंटेंट सरकार रोकना चाहेगी। अब उसका

कानूनी अधिकार सरकार के पास आ गया है। इससे एक तरह से सोशल मीडिया पर सरकार की सेंसरशिप लागू हो गई है। इसके अलावा चलेकर परिणाम क्या होंगे, सरकार यह सोच नहीं रही है। मीडिया तभी तक मीडिया है, जब उसमें सभी पक्षों का समावेश हो जब मीडिया में एक ही तरह के समाचार और एक ही विचारधारा होगी। ऐसे में पाठक अथवा दर्शक का विश्वास इस तरह के मीडिया पर नहीं होता है। 1975 में जब आपातकाल लागू हुआ था उस समय भी लोग आकाशवाणी और दूरदर्शन पर विश्वास नहीं करते थे। आदरणीय प्रधानमंत्री जी भी बोल चुके हैं कि वह बीबीसी पर विश्वास करते थे। उस समय प्रिंट मीडिया सरकारी नियंत्रण से बाहर था। जिसके कारण प्रिंट मीडिया में सेंसरशिप लगाई गई थी। उस समय सरकार को खिलाफ समाचार यदि कोई समाचार पत्र लिखना चाहता था, तो सरकार के अधिकारी उस समाचार को हटा देते थे।



## वास्तु दोष दूर करता है मोरपंख

मोर बेहद खूबसूरत पंखी है। ज्योतिष, वास्तु, धर्म, पुराण और संस्कृति में मोर का अत्यधिक महत्व माना गया है। मोर पंख घर में रखने से अमंगल टल जाता है। आइए जानें 25 अनूठी बातें मोर पंख के बारे में।

- मोर, मयूर, पिर्काक कितने खूबसूरत नाम हैं इस सुंदर से पंखी के। जितना खूबसूरत यह दिखता है उतना ही खूबसूरत फायदे इसके पंखों के भी हैं। हमारे देवी-देवताओं को भी यह अत्यंत प्रिय है। मां सरस्वती, श्रीकृष्ण, मां लक्ष्मी, इन्द्र देव, कार्तिकेय, श्री गणेश सभी को मोर पंख किसी न किसी रूप में प्रिय है। पौराणिक काल में महर्षियों द्वारा इसी मोरपंख की कलम बनाकर बड़े-बड़े ग्रंथ लिखे गए हैं।
- मोर के विषय में माना जाता है कि यह पंखी किसी भी स्थान को बुरी शक्तियों और प्रतिकूल चीजों के प्रभाव से बचाकर रखता है। यही वजह है कि अधिकांश लोग अपने घरों में मोर के खूबसूरत पंखों को लगाते हैं।
- मोर पंख की जितनी महत्ता भारत के लोगों के लिए है शायद ही किसी अन्य देश के लोगों के लिए हो। हमारे यहां माना जाता है कि मोर नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने में सबसे प्रभावशाली है।
- हालांकि 20वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में पश्चिमी देशों के लोग मोरपंख को दुर्भाग्य का सूचक मानते थे। लेकिन मोर पंख की शुभता का अनुभव होने के बाद उसे शुभ चिह्न के रूप में स्वीकार कर लिया गया।
- ग्रीक पौराणिक कथाओं के अनुसार मोर को 'हेरा' के साथ संबंधित किया जाता है। मान्यता के अनुसार आर्गस, जिसकी सौ आंखें थीं, उसके द्वारा हेरा ने मोर की रचना की।
- यही वजह है कि ग्रीक लोग मोर के पंखों को स्वर्ग और सितारों की निगाहों के साथ जोड़ते हैं।
- हिंदू धर्म में मोर को धन की देवी लक्ष्मी और विद्या की देवी सरस्वती के साथ जोड़कर देखा जाता है।
- लक्ष्मी सौभाग्य, खुशहाली और धन धान्य व संपन्नता के लिए पूजी जाती हैं। मोर के पंखों का प्रयोग लक्ष्मी की इन्हीं विशेषताओं को हासिल करने के लिए किया जाता है। मोर पंख को बांसुरी के साथ घर में रखने से रिश्तों में प्रेम रस घुल जाता है।
- एशिया के बहुत से देशों में मोर के पंखों को अघ्यात्म के साथ संबंधित किया जाता है। वान-यिन जो कि अघ्यात्म का प्रतीक है का मोर से खास रिश्ता माना गया है। वान यिन : वान-यिन प्रेम, प्रतिष्ठा, धीरज और स्नेह का सूचक है। इसलिए संबंधित देशों के लोगों के अनुसार मोर पंख से नजदीकी अर्थात् वान-यिन से समीपता मानी गई है।
- अगर आपके वैवाहिक जीवन में तनाव है तो अपने शयनकक्ष में मोरपंख रखें, इससे पति पत्नी के बीच प्यार बढ़ता है।
- यदि शत्रुता समाप्त करनी हो या कि शत्रु तंग कर रहे हो, तो मोरपंख पर हनुमान

- जी के मस्तक के सिद्धर से उस शत्रु का नाम मंगलवार या शनिवार रात्रि में लिखकर उसे घर के पूजा स्थल में रखें व सुबह उठकर उसे चलते पानी में प्रवाहित कर आएं।
- वास्तुशास्त्र के अनुसार मोरपंख को घर की दक्षिण दिशा में स्थित तिजोरी में खड़ा करके रखने से कभी भी धन की कमी नहीं होती है।
- राहु का दोष होने पर मोरपंख घर की पूर्वी और उत्तर पश्चिम की दीवार पर लगाएं।
- अगर आपके घर में मोरपंख है तो आपके घर में कोई भी बुरी शक्ति प्रवेश नहीं कर पाती है। यह घर से नकारात्मक ऊर्जा को दूर करके सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ावा देता है।
- वास्तुशास्त्र के अनुसार मोरपंख को घर में रखने से आपके घर के सारे दोष दूर हो जाते हैं।
- यदि मोर का पंख घर के पूर्वी और उत्तर-पश्चिम दीवार में या अपनी जेब व डायरी में रखा हो तो राहु कभी भी परेशान नहीं करता है। मोरपंख की पूजा करे या हो सके तो उसे हमेशा अपने पास रखें। मोरपंख को घर में रखने से परिवार के सदस्यों की सेहत भी अच्छी रहती है।
- ग्रहों के अशुभ प्रभाव होने पर मोरपंख पर 21 बार ग्रह का मंत्र बोलकर पानी का छींटे दें, और इसे श्रेष्ठ स्थान पर स्थापित करें जहां से यह दिखाई दे।
- आर्थिक लाभ के लिए किसी मंदिर में जाकर मोरपंख को राधा कृष्ण के मुकुट में लगाएं और 40 दिन बाद इसे लौकर या तिजोरी में रख दें।
- बुरी नजर से बच्चों को बचाने के लिए नवजात बालक को मोरपंख चांदी के ताबीज में पहनाएं।
- घर के मुख्य द्वार पर 3 मोरपंख लगाकर ऊँ द्वारापालाय नमः जायत्य स्थापये स्वाहा मंत्र लिखें और नीचे गणेश जी की मूर्ति लगाएं।
- आग्नेय कोण में मोरपंख लगाने से घर के वास्तु दोष को ठीक किया जा सकता है। इसके अलावा ईशान कोण में कृष्ण भगवान की फोटो के साथ मोरपंख लगाएं।
- बौद्ध धर्म के अनुसार मोर अपनी अपने सारे पंखों को खोल देता है, इसलिए उसके पंख विचारों और मान्यताओं में खुलेपन का ही प्रतीक माने जाते हैं।
- ईसाई धर्म में मोर के पंख, अमरता, पुनर्जीवन और अध्यात्मिक शिक्षा से संबंध रखते हैं।
- इस्लाम धर्म में मोर के खूबसूरत पंख जन्तव के दरवाजे के बाहर अद्भुत शाही बगीचे का प्रतीक माने जाते हैं।
- यह भी विशेष गौर करने लायक तथ्य है कि घरों में मोरपंख रखने से कीड़े-मकोड़े घर में दाखिल नहीं होते।



महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित रामायण पर आधारित महाकाव्य श्रीरामचरितमानस का पंचम सोपान है सुंदर कांड। इसमें रामदूत, पवनपुत्र हनुमान का यशोगान किया गया है, इसलिए सुंदर कांड के नायक श्री हनुमान को माना जाता है।

सुंदर कांड का पाठ मन को शांति देने तथा शुभ ऊर्जा बढ़ाने का काम करता है। सुंदर कांड का नाम सुंदर कांड क्यों रखा गया... दरअसल, जब हनुमान जी, सीता जी की खोज स्थल में रखें व सुबह उठकर उसे चलते पानी में प्रवाहित कर आएं।



धर्म को लेकर हमारे देश में जहां तरह-तरह के प्रतियोगिताएं लगाए गए हैं। देश में बहुत से मंदिर ऐसे हैं जिनमें महिलाओं का प्रवेश करने पर रोक होती है। ये मंदिर देश भर में इस तरह के लिए जाना जाता है कि यहां प्रवेश करने और पूजा करने के इच्छुक पुरुषों को बकायदा महिलाओं की ड्रेस में आना पड़ता है। इस मंदिर में उन्हें पूजा करने के लिए महिलाओं, किन्नरों पर कोई रोक नहीं है, लेकिन पुरुष अगर इस मंदिर में पूजा अर्चना करना चाहता है तो उसे महिलाओं की तरह पूरा सोलह श्रृंगार करना पड़ता है। यह खास मंदिर केरल के कोल्लम जिले में है जहां पर श्री कोत्तानकुलांगरा देवी मंदिर में हर साल चाम्याविलक्कु च्योहार मनाया जाता है। इस त्योहार में हर साल हजारों की संख्या में पुरुष श्रद्धालु आते हैं। उनके तैयारी होने के लिए मंदिर में अलग से मेकअप रूम बनाया जाता है। पुरुष महिलाओं की तरह न केवल साड़ी



## इन 6 जगहों पर भूलकर भी न पहनकर जाएं रुद्राक्ष

रुद्राक्ष का अर्थ है रुद्र का अक्ष। यानी भगवान रुद्र की आंखें। माना जाता है कि रुद्राक्ष की उत्पत्ति भगवान शिव के अश्रुओं से हुई है। उन्होंने कटोर तप के बाद जब आंखें खोली तो उनके आंखों से जो आंसू भूमि पर गिरे उसे से रुद्राक्ष की उत्पत्ति हुई। रुद्राक्ष को पहने के नियम भी हैं। कहते हैं कि 6 जगहों पर

रुद्राक्ष पहनकर गए तो शिवजी नाराज हो जाएंगे।

- शमशान - रुद्राक्ष की माला या रुद्राक्ष को किसी भी रूप में धारण करके शमशान नहीं जाना चाहिए। जो शमशान के संत होते हैं वे रुद्राक्ष के नियमों का पालन करते हैं।
- मृत्यु वाले घर - जहां पर किसी की मृत्यु हो गई हो

वहां पर भी रुद्राक्ष पहनकर न जाएं। यदि आपके घर में किसी परिजन की मृत्यु हो गई है तो रुद्राक्ष को उतारकर किसी उचित स्थान पर रख दें।

- शौचालय या स्नानघर - टॉयलेट या बाथरूम में रुद्राक्ष पहनकर नहीं जाते हैं। ऐसा करने से घोर पाप लगता है। यह शिवजी का

## सुंदर कांड देता है मन को शांति, बढ़ाता है शुभ ऊर्जा

थी और इसी अशोक वाटिका में ही हनुमान और सीता जी का मिलन हुआ था इसीलिए इस कांड का नाम सुंदर कांड रखा गया। कहा जाता है कि यहां की घटनाओं में हनुमान जी ने एक विशेष शैली अपनाई थी। वास्तव में श्रीरामचरितमानस के सुंदर कांड की कथा सबसे अलग है। संपूर्ण श्रीरामचरितमानस भगवान श्रीराम के गुणों और उनके पुरुषार्थ को दर्शाती है। सुंदर कांड एकमात्र ऐसा अध्याय है, जो श्रीराम के भक्त हनुमान की विजय का कांड है। धार्मिक शास्त्रों के अनुसार सुंदर कांड का पाठ हम सभी को सुनना और पढ़ना चाहिए क्योंकि यह पाठ सभी मनोकामनाओं को पूर्ण करने वाला तथा किसी भी प्रकार की परेशानी या संकट से आप घिरे हुए हो तो सुंदर कांड पाठ पढ़ने या सुनने से यह संकट तुरंत दूर हो जाता है। इतना ही नहीं यह प्रभु श्रीराम के परमभक्त श्री बजरंग बली की विजय का कांड

होने से हम पर प्रभु श्रीराम, माता सीता तथा हनुमान जी की अनन्य कृपा प्राप्त होती है तथा हमारे मन को शांति मिलती है। हनुमान जी जल्द ही प्रसन्न होने वाले देवता माने जाते हैं, अतः प्रतिदिन सुंदर कांड का पाठ करने वाले मनुष्य के जीवन से नकारात्मक शक्तियां भाग जाती हैं तथा यह पाठ बल, बुद्धि, एकाग्रता, आत्मविश्वास बढ़ाता है तथा जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलते हैं और हमारे अंदर सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है इसके अलावा भी सुंदर कांड पाठ पढ़ने के बहुत सारे लाभ हैं। विद्यार्थियों को यह पाठ अवश्य करना चाहिए, क्योंकि इसका विशेष लाभ मिलता है। यह आत्मविश्वास बढ़ाकर एवजाम में अच्छे अंक दिलाने में मददगार है। यह मानसिक परेशानियां, व्याधियां, गृह वलेश, ऋण/ कर्ज मुक्ति आदि कई समस्या में भी लाभदायी है।

## श्री कोत्तानकुलांगरा देवी मंदिर जहां पुरुषों को करना पड़ता है महिलाओं की तरह सोलह श्रृंगार

पहनते है, बल्कि जूलरी, मेकअप और बालों में गजरा भी लगाते है। इस उत्सव में शामिल होने के लिए उम्र की कोई सीमा नहीं है। यही नहीं ट्रांसजेंडर भी इस मंदिर में पूजा अर्चना करने के लिए आते हैं। ऐसा माना जाता है कि इस मंदिर में देवी की मूर्ति स्वयं प्रकट हुई थी। अपनी खास परंपरा के लिए दुनियाभर में मशहूर इस मंदिर के ऊपर कोई छत नहीं है। इस राज्य का यह ऐसा एकमात्र मंदिर है

जिसके गर्भगृह के ऊपर छत या कलश नहीं हैं। ऐसी मान्यता है कि कुछ चरवाहों ने महिलाओं के कपड़े पहनकर पत्थर पर फूल चढ़ाए थे, जिसके बाद उस पत्थर से दिव्य शक्ति निकलने लगी। इसके बाद इसे मंदिर का रूप दिया गया। एक मान्यता यह भी है कि कुछ लोग पत्थर पर नारियल फोड़ रहे थे और इसी दौरान पत्थर से खून निकलने लग गया जिसके बाद से यहां देवी की पूजा होने लगी।

रुद्राक्ष की उत्पत्ति भगवान शिव के अश्रुओं से हुई है। उन्होंने कटोर तप के बाद जब आंखें खोली तो उनके आंखों से जो आंसू भूमि पर गिरे उसे से रुद्राक्ष की उत्पत्ति हुई। रुद्राक्ष को पहने के नियम भी हैं।

अपमान माना जाएगा।

- मांस मदिरा सेवन के समय - रुद्राक्ष पहनकर मांस भक्षण करना या शराब पीना वर्जित है। इसी के साथ ही बूचड़खाने में जाना या किसी शराब की दुकान पर जाना भी वर्जित है। जहां पर मुर्गा, बकरा आदि कटना या बनना है उस स्थान से भी दूर रहें।
- बालक के जन्म पर - जहां पर किसी बच्चे का जन्म हुआ हो और प्रसूता रहती हो वहां पर रुद्राक्ष पहनकर जाना वर्जित है। एक माह तक नियम का पालन करना चाहिए। ऐसी जगह पहनकर जाने से रुद्राक्ष निस्तेज हो जाता है।
- शयन कक्ष - सोने से पहले रुद्राक्ष को उतारकर उचित स्थान पर रख देना चाहिए। सोने के दौरान जहां रुद्राक्ष के टूटने का अंदेशा रहता है वहीं इससे रुद्राक्ष अशुद्ध और निस्तेज हो जाता है।



## चंद्र घात के समय नहीं करना चाहिए कोई महत्वपूर्ण कार्य

चंद्र घात विचार कैसे तो बहुत विस्तृत विषय है परंतु यहां पर आप संक्षिप्त में जान लें। पहले के समय में जन्म पत्रिका या कुंडली बनाते समय में घात चक्र का विवरण या साएणी मी दी जाती थी, परंतु आजकल नहीं दी जाती है। हालांकि इसको अब कोई महत्व भी नहीं देता है।

- किस राशि के लिए कौन नक्षत्र, मास, तिथि, वार, प्रहर चंद्र आपके लिए शुभ है या अशुभ है यह जानना ही चंद्र घात के अंतर्गत आता है।
- किसी राशि विशेष के लिए एक ही दिन तीन से ज्यादा घात मिले तो उस दिन सावधानी बरतनी चाहिए।
- इन सब प्राचीन घात सूत्रों को ध्यान में रखने से घटना को कुछ हद तक टाला जा सकता है या उस घटना की भयावता को कम किया जा सकता है।
- सिंह राशि के लिए तृतीया तिथि एवं उस दिन शनिवार विशेष घातक माना गया है।
- जीवन में जन्म से तृतीया, पंचम, सप्तम दशाएं कष्टकारक होती हैं। उसे ध्यान में रखकर ही कोई कार्य करें।
- मेष की पहली, वृष की पांचवी, मिथुन की नौवी, कर्क की दसवी, सिंह की छठी, कन्या की दसवी, तुला की तीसरी, वृश्चिक की सातवी, धनु की चौथी, मकर की आठवी, कुम्भ की ग्यारहवी, मीन की बारहवी घड़ी घात चंद्र मानी जाती है।
- कहते हैं कि चंद्र घात में यात्रा करने पर, युद्ध में जाने पर, कोर्ट कचहरी में जाने पर, खेती कार्य आरंभ करने पर, व्यापार शुरू करने पर, घर की नींव लगाने पर घात चंद्र वर्जित मानी गई है।
- घात चंद्र में रोग होने पर मौत, कोर्ट में केस दायर करने पर हार और यात्रा करने पर सजा या झूठा आरोप और विवाह करने पर वैधय होने की शंका व्यक्त की जाती है।
- मेषादि द्वादश राशियों के लिए क्रमशः 1, 5, 9, 2, 6, 10, 3, 7, 4, 8, 11, 12 घात चंद्र दोष होता है। जैसे मेष राशि वालों के लिए मेष का, वृषभ राशि वालों के लिए वृषभ से पंचम कन्या का शेष इसी प्रकार घात चंद्रमा होता है।
- मेषादि राशियों के लिए क्रमशः कृत्तिका, चित्रा, शतभिषा, मघा, धनिष्ठा, आर्द्रा, मूल, रोहिणी, पूर्वाभाद्रपदा, मघा, मूल और पूर्वाभाद्रपदा नक्षत्रों के क्रमशः 1-2-3-3-1-3-2-4-3-4-4 और 4 चरण नक्षत्र घात चरण होते हैं। राज सेवा, युद्ध और विवाद में घात चंद्रमा वर्जित है।



## हरसिंगार का घर के आसपास होने बहुत ही शुभ माना गया है

हरसिंगार के फूल बहुत ही सुंदर और सुगंधित होते हैं। यह घर आंगन की सुंदरता में चार चांद लगा देता है। इसका घर के आसपास होने बहुत ही शुभ माना गया है। बहुत ही आसानी से आप इसे किसी भी नर्सरी से खरीदकर अपने घर आंगन में लगाएं और जीवन में सुख, शांति और समृद्धि को निमंत्रण दें। आओ जानते हैं कि इसे घर आंगन में लगाने से क्या होगा।

- हरसिंगार का वृक्ष जिसके भी घर के आसपास होता है उसके घर के सभी तरह के वास्तुदोष दूर हो जाते हैं।
- हरसिंगार के फूलों को खासतौर पर लक्ष्मी पूजन के लिए इस्तेमाल किया जाता है लेकिन केवल उन्हीं फूलों को इस्तेमाल किया जाता है, जो अपने आप पेड़ से टूटकर नीचे गिर जाते हैं। जहां यह वृक्ष होता है वहां पर साक्षात् लक्ष्मी का वास होता है।
- हरसिंगार के फूलों की सुगंध आपके जीवन से तनाव हटाकर खुशियां ही खुशियां भर सकने की ताकत रखते हैं। इसकी सुगंध आपके मस्तिष्क को शांत कर देती है। घर परिवार में खुशी का माहौल बना रहता है और व्यक्ति लंबी आयु प्राप्त करता है।
- हरसिंगार के ये अद्भुत फूल सिर्फ रात में ही खिलते हैं और सुबह होते-होते व सब मूरझा जाते हैं। यह फूल जिसके भी घर-आंगन में खिलते हैं, वहां हमेशा शांति और समृद्धि का निवास होता है।
- हृदय रोगों के लिए हरसिंगार का प्रयोग बेहद लाभकारी है। इस के 15 से 20 फूलों या इसके रस का सेवन करना हृदय रोग से बचाने का असरकारक उपाय है, लेकिन यह उपाय किसी आयुर्वेदिक डॉक्टर की सलाह पर ही किया जा सकता है। इसके फूल, पत्ते और छाल का उपयोग औषधि के रूप में किया जाता है।
- हरसिंगार के फूल जिसके भी घर-आंगन में खिलते हैं, वहां हमेशा शांति और समृद्धि का निवास होता है। इसके फूल तनाव हटाकर खुशियां ही खुशियां भरने की क्षमता रखते हैं।



## पीएफसी ने निवेशकों को प्रत्येक शेयर पर 10 रुपए का लाभांश दिया

**मुंबई।** भारत सरकार के स्वामित्व वाली पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन (पीएफसी) शेयर बाजार में सूचीबद्ध एक ऐसी कंपनी है, जिसने वित्तीय वर्ष 2022-23 में अपने निवेशकों को प्रत्येक शेयर पर लगभग 10 रुपए का लाभांश जारी किया है। बता दें कि हर साल कंपनियां अपने मुनाफे का कुछ हिस्सा मुनाफे के तौर पर अपने निवेशकों को जारी करती हैं। बाजार में शेयरों की कीमत में वृद्धि के अलावा लाभांश भी निवेशकों के लिए आय का एक स्रोत है। बाजार में कुछ कंपनियां ऐसी भी हैं जो अपने निवेशकों को बैंक एफडी और पब्लिक प्रॉविडेंट फंड (पीपीएफ) पर मिलने वाले ब्याज से ज्यादा रिटर्न डिबिडेण्ड के रूप में जारी करती हैं। पीएफसी के एक शेयर की कीमत वित्त वर्ष 2022-23 की शुरुआत में करीब 120 रुपए थी। वहीं कंपनी ने अपने निवेशकों को प्रत्येक शेयर पर करीब 10 रुपए का लाभांश दिया है। इस हिसाब से कंपनी ने अपने निवेशकों को हर शेयर पर करीब 8.3 फीसदी का रिटर्न सिर्फ डिबिडेण्ड के रूप में दिया है। गौरतलब है कि इस वित्त वर्ष में पीपीएफ की ब्याज दर 7.10 फीसदी थी, जबकि विभिन्न बैंकों की एफडी पर ब्याज दर 5.50 से 7 फीसदी के बीच थी। पिछले एक साल में पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन कंपनी के शेयर की कीमत में भी करीब 30 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। अगर कंपनी के शेयरों पर मिले रिटर्न को डिबिडेण्ड से जोड़ दें तो इस कंपनी ने एक साल में अपने निवेशकों को करीब 38 फीसदी का रिटर्न दिया है।

## अनवलेम्ड अमाउंट के मामले में एलआईसी भी पीछे नहीं

**नई दिल्ली।** देश के 12 सरकारी बैंकों में लावारिस पड़े 35,000 करोड़ रुपए के असली हकदार की पहचान के लिए आरबीआई ने नया सेंट्रलाइज्ड पोर्टल बनाने का ऐलान किया है। वहीं अनवलेम्ड अमाउंट के मामले में सरकारी बीमा कंपनी एलआईसी भी पीछे नहीं है। खुद भारतीय जीवन बीमा निगम ने बताया था कि उसके पास करीब 21,500 करोड़ की रकम ऐसी है जिसका कोई दावेदार नहीं है। एलआईसी जब अपना आर्डीआई लेकर आई थी तब उसने यह जानकारी दी थी। एलआईसी के पास सितंबर 2021 तक 21,539 करोड़ रुपए का अनवलेम्ड फंड मौजूद था। ऐसी कोई रकम जो 10 साल की अवधि के बाद भी बीमा कंपनी के पास बकाया पड़ी रहता है, उसे अनवलेम्ड अमाउंट कहा जाता है। भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण के नियमानुसार बीमा कंपनियों को 1,000 रुपए या उससे ज्यादा के अनवलेम्ड अमाउंट के बारे में जानकारी अपडेट रखनी होती है। दरअसल कई लोग बैंक समेत एलआईसी की विभिन्न स्कीम में निवेश करते हैं लेकिन किन्हीं कारणों से बीच में बंद कर देते हैं या फिर मैच्योरिटी पर पैसा निकालना भूल जाते हैं तो वह अनवलेम्ड अमाउंट कहलाता है और कंपनी के पास सुरक्षित रहता है। एलआईसी ने पॉलिसी धारकों के अनवलेम्ड अमाउंट के बारे में जानकारी देने के लिए अपने पोर्टल पर खास टूल दिया है। यहां पॉलिसी नंबर समेत जरूरी जानकारी देकर आप अनवलेम्ड अमाउंट के बारे में पता लगा सकते हैं।

## एचबिट्स ने मुंबई में 42 करोड़ की संपत्ति की पेशकश की

**मुंबई।** रियल एस्टेट परिसंपत्ति पर आंशिक स्वामित्व देने वाली कंपनी एचबिट्स ने किराए से आमदनी के लिए निवेशकों को 42 करोड़ रुपए मूल्य की एक वाणिज्यिक संपत्ति की पेशकश की है। एचबिट्स ने एक बयान में कहा कि उसने मुंबई के पोवई में स्थित बुरंग बिल्डिंग में 27,492 वर्गफुट को किराए पर देने के लिए चिन्हित किया है। इस इमारत का प्रमुख किराएदार अमेरिका की बहुराष्ट्रीय कंपनी सिटेल है। इस संपत्ति के आंशिक स्वामित्व के लिए 25 लाख रुपए से निवेश शुरू किया जा सकता है। एचबिट्स के पास पहले से ही 150 करोड़ रुपए की परिसंपत्ति प्रबंधन के अधीन है। एचबिट्स के संस्थापक शिशु परिये ने कहा कि आंशिक स्वामित्व देने वाले बाजार में निवेशकों की ओर से मांग में भारी उछाल देखा जा रहा है।

## (शेयर बाजार समीक्षा) वृहद आंकड़ों, कंपनी परिणाम और वैश्विक रुख तय करेंगे शेयर बाजार की दिशा

- रुपए का उतार-चढ़ाव और कच्चे तेल के दाम भी बाजार की दिशा के लिए महत्वपूर्ण होंगे

**मुंबई। (एजेंसी)**

औद्योगिक उत्पादन और मुद्रास्फीति के आंकड़े, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनियों के तिमाही परिणाम और वैश्विक रुख इस कम कारोबारी सत्रों वाले सप्ताह में शेयर बाजारों की दिशा तय करेंगे। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। इसके अलावा विदेशी कोषों की गतिविधियां, रुपए का उतार-चढ़ाव और कच्चे तेल के दाम भी बाजार की दिशा के लिए महत्वपूर्ण होंगे। शुरुवात को डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर जयंती के अवसर पर शेयर बाजार बंद रहेंगे। इस सप्ताह आईटी क्षेत्र की दिग्गज कंपनियों टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और इन्फोसिस के तिमाही नतीजे आने हैं।

## ओला ने एस1 प्रो इलेक्ट्रिक स्कूटर की कीमत में की कटौती

-16 अप्रैल चल चलेगा ऑफर

**नई दिल्ली। (एजेंसी)**

ओला इलेक्ट्रिक कंपनी ने ग्राहकों को खुशखबरी देते हुए अपने फ्लैगशिप एस1 प्रो इलेक्ट्रिक स्कूटर की कीमत में 5,000 रुपए की कटौती की घोषणा की है। अब स्कूटर की कीमत 1.25 लाख रुपए हो गई है। हालांकि, कंपनी ने इस कटौती के पीछे कोई विशेष कारण नहीं बताया है। इलेक्ट्रिक स्कूटर इलेक्ट्रिक स्कूटर बेचे हैं। कंपनी

खरीदने वाले ग्राहक केवल 16 अप्रैल तक 5,000 रुपए की छूट का फायदा उठा सकते हैं, जिसके बाद मॉडल 1.30 लाख रुपए के अपनी पुरानी कीमत पर वापस आ जाएगा। यह ऑफर निश्चित रूप से ज्यादा खरीदारों को ओला इलेक्ट्रिक स्कूटर खरीदने के लिए अट्रैक्ट करेगा। कंपनी ने इस साल मार्च में 2 लाख से ज्यादा इलेक्ट्रिक स्कूटर बेचे हैं। कंपनी

का कहना है कि भारत में इलेक्ट्रिक स्कूटर सेगमेंट में उसकी बाजार हिस्सेदारी 30 फीसदी से ज्यादा है। ओला एस1 प्रो इलेक्ट्रिक स्कूटर में 4 के डबल्यूएच की लीथियम आयन बैटरी मिलती है। स्कूटर को एक बार फुल चार्ज करने पर करीब 181 किलोमीटर तक चलाया जा सकता है। स्कूटर में 8.5 के डबल्यू की मोटर लगी हुई है, जो 11.3 बीएचपी की

मैक्सिमम पावर जनरेट कर सकती है। इलेक्ट्रिक स्कूटर 116 किलोमीटर प्रति घंटा की टॉप स्पीड से चल सकता है। स्कूटर में 2.9 सेकंड में 0 से 40 किलोमीटर प्रति घंटा और 4.5 सेकंड में 0 से 60 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार तक पहुंच सकता है। ओला एस1 प्रो के पुराने ग्राहक स्कूटर के फट सर्विसेस को भी बिलकुल फ्री में बदलाव सकते हैं।

## ज्यादा माइलेज वाली दो ऐसी 7 सीटर कारें बाजार में मौजूद

-अर्टिगा देश की सबसे ज्यादा बिकने वाली 7 सीटर कारों में से एक

**नई दिल्ली। (एजेंसी)**

आपकी माइलेज की ख्वाहिश पूरी करने के लिए दो ऐसी 7 सीटर कारें भी मौजूद हैं जो सीएनजी किट के साथ कंपनियों ऑफर कर रही हैं। देश की सबसे ज्यादा बिकने वाली कारों में से एक मारुति सुजुकी अर्टिगा के साथ ही कंपनी की ही एक्सएल6 को सीएनजी किट के साथ ऑफर किया जा रहा है।

दोनों ही कारों का माइलेज भी जबर्दस्त है और इनकी कीमत भी दूसरी 7 सीटर कारों के मुकाबले

कामी कम है। आइये जानते हैं इन कारों के खास फीचर्स और स्पेसिफिकेशंस लंबे समय से एमयूवी मार्केट में धूम मचाए अर्टिगा देश की सबसे ज्यादा बिकने वाली 7 सीटर कारों में से एक है। कंपनी इसे सीएनजी किट के साथ भी देती है। अर्टिगा में 115 लीटर का डुअलजेट पेट्रोल इंजन आता है जो 80 बीएचपी की पावर जनरेट करता है। कंपनी के बलेम के अनुसार अर्टिगा एक किलो सीएनजी में 26.11 किलोमीटर का माइलेज देती है। अर्टिगा सीएनजी की एक्स शोरूम

कीमत 10.44 लाख रुपयों से शुरू होती है। वहीं इसके टॉप मॉडल जेडएक्सआई की कीमत 11.54 लाख रुपयों है। मारुति की ही प्रीमियम कैटेगरी में काउंट होने वाली एमपीवी एक्सएल6 और अर्टिगा में वैसे तो ज्यादा अंतर नहीं है लेकिन ये फीचर्स के मामले में अर्टिगा को कहीं पीछे छोड़ती है।

प्रीमियम कैटेगरी में होने के चलते एक्सएल6 में कंपनी ने मिडिल रो में कैप्टन सीट्स दी हैं जिसके चलते ये 6 सीटर हो जाती है। हाल ही में कंपनी ने इस कार

को भी सीएनजी किट के साथ इंटीग्रेट किया है। कार में अर्टिगा वाला ही इंजन है जो 5 स्पीड मैनुअल गियर बॉक्स से कनेक्टेड है। वहीं इसका माइलेज भी अर्टिगा के ही बराबर है। इसकी कीमत की बात की जाए तो ये 12.24 लाख रुपयों एक्स शोरूम कीमत पर अवेलेबल है। अर्टिगा के मुकाबले एक्सएल6 के लुक्स में भी कुछ बदलाव देखने को मिलते हैं। एलईडी हैडलैंप्स के साथ ही डीआरएल और ब्रॉड नोस व बोल्ट बंपर्स से कार का लुक काफी कुछ बदल जाता है।

## महिला सम्मान बचत प्रमाणपत्र योजना पर मिलेगा 7.5 फीसदी ब्याज

**नई दिल्ली।** पोस्ट ऑफिस का महिला सम्मान बचत प्रमाणपत्र योजना केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आभ बजट 2023 पेश करते हुए महिलाओं को ध्यान में रखकर शुरू करने का ऐलान किया था। गौरतलब है कि पोस्ट ऑफिस की ज्यादातर योजनाओं में जमाकर्ताओं को इनकम टैक्स एवट की धारा 80सी के तहत टैक्स में कटौती का फायदा मिलता है। बता दें कि महिला सम्मान बचत प्रमाणपत्र योजना में दो साल के लिए पलेविसेबल इनवेस्टमेंट और 2 लाख रुपए की अधिकतम निवेश सीमा के साथ आंशिक निकासी और हर तीन महीने पर चक्रवृद्धि आधार पर ब्याज का लाभ मिलता है। वहीं यह योजना 31 मार्च 2025 यानी केवल दो साल के लिए वैलिड है। पोस्ट ऑफिस की इस योजना में 7.5 फीसदी के हिसाब से ब्याज दर मिलता है। महिला सम्मान बचत प्रमाणपत्र योजना के लिए आप किसी भी पोस्ट ऑफिस में जाकर आवेदन कर सकते हैं। वित्त मंत्रालय ने इस योजना के लिए एक अधिसूचना भी जारी की है। आप किसी भी नजदीकी डाकघर में जाकर इस योजना के लिए अकाउंट खुलवा सकते हैं। यह योजना देश भर के 1.59 लाख डाकघरों में उपलब्ध है। वित्त मंत्रालय के 5 अप्रैल, 2023 को जारी की गई अधिसूचना के मुताबिक इस योजना के तहत निवेश आयकर अधिनियम की धारा 80सी के तहत छूट के लिए योग्य नहीं है। इसका मतलब यह हुआ कि आपको इस पर हासिल किए गए ब्याज के लिए टैक्स चुकाना होगा। अगर आपने केवल इस योजना में ही निवेश किया है तो इस बात की कोई भी संभावना नहीं है कि आपको टीडीएस काटा जाएगा।

करीब 15,83,824.42 करोड़ रुपए, टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 5,817.89 करोड़ रुपए के उछाल से 11,78,836.58 करोड़ रुपए, आईटीसी का बाजार मूल्यांकन 4,722.65 करोड़ रुपए बढ़कर 4,81,274.99 करोड़ रुपए, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का 3,792.96 करोड़ रुपए के लाभ से 4,71,174.89 करोड़ रुपए, आईटीसीआईसीआई बैंक, हिंदुस्तान यूनिटीवर, इन्फोसिस, एचडीएफसी, आईटीसी, एसबीआई का भारतीय एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 6,731.76

करीब 15,83,824.42 करोड़ रुपए, टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 5,817.89 करोड़ रुपए के उछाल से 11,78,836.58 करोड़ रुपए, आईटीसी का बाजार मूल्यांकन 4,722.65 करोड़ रुपए बढ़कर 4,81,274.99 करोड़ रुपए, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का 3,792.96 करोड़ रुपए के लाभ से 4,71,174.89 करोड़ रुपए, आईटीसीआईसीआई बैंक, हिंदुस्तान यूनिटीवर, इन्फोसिस, एचडीएफसी, आईटीसी, एसबीआई का भारतीय एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 6,731.76

## सरकार ने 23.2 लाख करोड़ का मुद्रा लोन बांटा

- मुद्रा योजना के तहत आठ वर्ष में 40 करोड़ लाभार्थियों को 23.2 लाख करोड़ का दिया गया ऋण

**नई दिल्ली। (एजेंसी)**

सूक्ष्म, लघु व मध्यम स्तर के उद्योगों (एमएसएमई) को ऋण मुहैया कराने वाली मुद्रा योजना के तहत आठ वर्ष में 40 करोड़ से ज्यादा लाभार्थियों को 23.2 लाख करोड़ रुपए का ऋण दिया गया है। इसके लाभार्थियों में 51 आदिवासी, दलित और पिछड़े वर्ग के लोग हैं। 68 फीसदी ऋण खाते महिलाओं के नाम खुले हैं। एमएसएमई के जरिये अर्थव्यवस्था को मजबूती देने और जमीनी स्तर पर रोजगार के अवसर पैदा करने के मकसद से शुरू की गई इस ऋण योजना से प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से 1.12 करोड़ लोगों को

रोजगार मिला है। योजना के कुल लाभार्थियों में से आठ करोड़ (21 फीसदी) पहली पीढ़ी के उद्योगी हैं। ये वे लोग हैं, जिनकी कारोबारी या व्यावसायिक पृष्ठभूमि नहीं रही है। इस योजना में शिशु ऋणों के त्वरित पुनर्भूषण पर ब्याज में दो फीसदी की छूट भी मिलती है। योजना के तहत व्यवसाय की परिपक्वता स्थिति के आधार पर शिशु, किशोर व तरुण श्रेणियों में ऋण दिया जाता है। शिशु श्रेणी में 50,000 रुपए, किशोर श्रेणी में 5 लाख रुपए तक और तरुण श्रेणी में 10 लाख रुपए तक के ऋण दिए जाते हैं। कृषि संबद्ध गतिविधियों जैसे पोल्ट्री, डेयरी, मधुमक्खी पालन। इसके



अलावा विनिर्माण, व्यापार और सेवा क्षेत्रों की गतिविधियों के लिए इस योजना के तहत ऋण दिया जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने योजना को भारतीयों के लिए अपना उद्यमिता कौशल दिखाने का जरिया बताते हुए कहा कि मुद्रा योजना ने अनफंडेड की फंडिंग कर

अनगिनत भारतीयों के लिए सम्मान के साथ-साथ समृद्धि का जीवन सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाई है। आज मुद्रा योजना के आठ वर्ष पूरे होने पर उन सभी लोगों की उद्यमशीलता, लखनऊ में पेट्रोल 96.47 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर, गाजियाबाद में पेट्रोल 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर, लखनऊ में पेट्रोल 96.47 रुपए और डीजल 89.66 रुपए प्रति लीटर, पटना में पेट्रोल 107.42 रुपए और डीजल 94.21 रुपए प्रति लीटर और पोर्टेबल लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है। दिल्ली में पेट्रोल

## पिछले वित्त वर्ष के 11 महीनों में न्युचुअल फंडों ने बाजार में लिवाली की

नई दिल्ली। (एजेंसी)

भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) के पास उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार पिछले वित्त वर्ष के 12 महीनों में 11 महीनों में न्युचुअल फंडों ने शेयर बाजार में शुद्ध लिवाली की। पिछले वित्त वर्ष में विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने 35,000 करोड़ रुपए के शेयर बेचे। वित्त वर्ष 2022 में एफआईआई शुद्ध बिकवाला रहे थे और उन्होंने बाजार से 1.4 लाख करोड़ रुपए से अधिक मूल्य के शेयर बेचे थे। एक स्वतंत्र बाजार विश्लेषक ने कहा कि जब एफआईआई तेजी से निवेश निकाल रहे थे तब न्युचुअल फंडों द्वारा किए गए निवेश की बदौलत बाजार वित्त वर्ष 2022-23 में मजबूती से उठा रहा। न्युचुअल फंडों में ज्यादातर रकम खुदरा निवेशकों से आती है। इसलिए तत्काल रकम निकलने की आशंका कम रहती है, जिससे बाजार को स्थिरता एवं मजबूती मिलती है। कुल मिलाकर देसी संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने वित्त वर्ष 2023 में 2.56 लाख करोड़ रुपए मूल्य के शेयर खरीदे। डीआईआई में न्युचुअल फंड भी आते हैं।

## (मार्केट कैप) सेंसेक्स की प्रमुख 10 में से आठ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 82,169 करोड़ बढ़ा

- प्रमुख 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही

**मुंबई। (एजेंसी)**

बीते सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 में से आठ कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में 82,169.3 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई। सबसे अधिक लाभ एचडीएफसी बैंक और एचडीएफसी को हुआ। बीते सप्ताह मंगलवार चार अप्रैल को महावीर जयंती तथा शुक्रवार सात अप्रैल को गुड फ्राइडे के मौके पर बाजार में अवकाश था। सेंसेक्स की प्रमुख 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), एचडीएफसी बैंक, हिंदुस्तान यूनिटीवर, एचडीएफसी और आईटीसी सहित आठ के बाजार मूल्यांकन में बढ़ोतरी हुई। समीक्षाधीन सप्ताह में एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 31,553.45 करोड़ रुपए बढ़कर 9,29,752.54 करोड़ रुपए, एचडीएफसी के बाजार मूल्यांकन 18,877.55 करोड़ रुपए बढ़कर 5,00,878.67 करोड़ रुपए, भारती एयरटेल की बाजार वैल्यू 9,533.48 करोड़ रुपए बढ़कर 4,27,111.07 करोड़ रुपए, रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 6,731.76



करीब 15,83,824.42 करोड़ रुपए, टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 5,817.89 करोड़ रुपए के उछाल से 11,78,836.58 करोड़ रुपए, आईटीसी का बाजार मूल्यांकन 4,722.65 करोड़ रुपए बढ़कर 4,81,274.99 करोड़ रुपए, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का 3,792.96 करोड़ रुपए के लाभ से 4,71,174.89 करोड़ रुपए, आईटीसीआईसीआई बैंक, हिंदुस्तान यूनिटीवर, इन्फोसिस, एचडीएफसी, आईटीसी, एसबीआई का भारतीय एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 6,731.76

रुख के विपरीत इन्फोसिस की बाजार वैल्यू 2,323.2 करोड़ रुपए घटकर 5,89,966.72 करोड़ रुपए और आईटीसीआईआई बैंक का पूंजीकरण 1,780.62 करोड़ रुपए के नुकसान से 6,10,751.98 करोड़ रुपए पर आ गया। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, आईटीसीआईसीआई बैंक, हिंदुस्तान यूनिटीवर, इन्फोसिस, एचडीएफसी, आईटीसी, एसबीआई का भारतीय एयरटेल का स्थान रहा।

## पैन-आधार लिंक न होने पर होंगे वित्तीय नुकसान

मुंबई। सरकार ने पैन और आधार को लिंक करवाने की तारीख बढ़ाकर 30 जून, 2023 कर दी है। ऐसे में आप अगर इस समयसीमा पर भी इन दस्तावेजों को लिंक नहीं करवाते हैं तो आपको कई तरह के नुकसान भोगने पड़ेंगे। पहला तो आपका पैन कार्ड निष्क्रिय हो जाएगा। साथ ही आपके कई वित्तीय कार्यों पर ब्रेक लग जाएगा। पैन कार्ड जिस दिन तक इन्फॉर्मेटिव रहेगा उतने दिन का आईटीआर का ब्याज का लाभ नहीं मिलेगा। पैन कार्ड लिंक नहीं होगा तो आप 50,000 रुपए से अधिक का लेनदेन नहीं कर पाएंगे। आपको कोई बैंक क्रेडिट और डेबिट कार्ड जारी नहीं करेगा।



## ईएमआई पर मिलने लगे हापुस आम, 5000 की खरीदी जरूरी

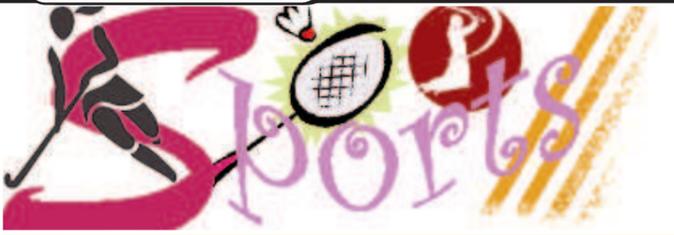
- अल्ट्रासो आम खुदरा बाजार में 800 रुपए से 1,300 रुपए प्रति दर्जन



**मुंबई। (एजेंसी)**

महाराष्ट्र के देवगढ़ एवं रत्नागिरी के अल्ट्रासो को हापुस आम के नाम से भी जाना जाता है। अपने बेहतरीन स्वाद एवं कम उत्पादन की वजह से इसके दाम अक्सर आम लोगों की पहुंच से बाहर ही रहते हैं। इस साल भी अल्ट्रासो आम खुदरा बाजार में 800 रुपए से 1,300 रुपए प्रति दर्जन के भाव पर बिक रहा है। ऐसी स्थिति में आम लोगों तक इस खास आम का स्वाद पहुंचाने के लिए एक कारोबारी ने अनूठी पेशकश की है। वह अल्ट्रासो को अब किसी महंगे इलेक्ट्रॉनिक पासा क्रेडिट कार्ड मूला चाइएर और फिर खरीद होना को तीन, छह या 12 महीनों की किस्तों में बदल दिया जाता है। हालांकि बेचने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि बिज्नी शुरू होते ही अल्ट्रासो के दाम बहुत ऊपर जा चुके हैं। ऐसी स्थिति में अगर अल्ट्रासो को

भी ईएमआई पर दिया जाए तो हर कोई इसका स्वाद ले सकता है। उनका कहना है कि पूरे देश में ईएमआई पर आम बेचने वाला पहला प्रतिष्ठान उनका है। हमने सोचा कि अगर फ्रिज, एसी और दूसरे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को ईएमआई पर खरीदा जा सकता है तो फिर आम को क्यों नहीं? इस तरह हर कोई इस आम को खरीद सकता है। कोई भी व्यक्ति ईएमआई पर मोबाइल फोन खरीदने की ही तरह उनकी दुकान से अल्ट्रासो को किस्त पर खरीद सकता है। इसके लिए ग्राहक के पास क्रेडिट कार्ड होना चाहिए और फिर खरीद होना को तीन, छह या 12 महीनों की किस्तों में बदल दिया जाता है। हालांकि बेचने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि बिज्नी शुरू होते ही अल्ट्रासो के दाम बहुत ऊपर जा चुके हैं। ऐसी स्थिति में अगर अल्ट्रासो को



मुम्बई। मुम्बई इंडियंस के खिलाफ मैच में चोटिल होने के कारण हुए ऑलराउंडर दीपक चाहर केवल एक ही ओवर कर पाये थे। इसके बाद उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा था। इसी को लेकर अब सीएसके के पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना का बयान आया है। रैना के अनुसार चाहर इस सत्र में कम से कम चार से पांच मैचों से बाहर हो सकते हैं। रैना ने कहा, ऐसा लगता है कि चाहर 4 से 5 गेम के लिए बाहर हो जाएंगे। ऐसा लगता है कि उन्हें फिर से हेमिस्ट्रिंग की चोट लग गई है और वे मैदान में असहज दिखे। रैना ने कमेंट्री के दौरान कहा, आईपीएल के अन्य सभी स्थल चेन्नई से बहुत दूर हैं और इसमें बहुत सारी यात्राएं शामिल रहेंगी। वहीं 27 साल के तुषार देशपांडे के लिए आईपीएल में अब तक का सत्र मिलाजुला रहा है। गुजरात के खिलाफ मैच में उन्होंने काफी रन दिये। धोनी ने कहा था, हम उस पर विश्वास करते हैं और जब आप नए होते हैं तो आप दबाव में होते हैं लेकिन कुछ साल के लिए आईपीएल में खेलना अलग तरह का दबाव लाता है। उनका घरेलू सीजन अच्छा रहा, उन्होंने सुधार किया है वर वह अभी भी अपनी पूरी क्षमता है से नहीं खेल पा रहे हैं।

रैना ने रहाणे की तूफानी पारी पर कहा..

## यह पीली जर्सी की ताकत है

मुम्बई, (एजेंसी)

अजिंक्य रहाणे (61 रन) और रवींद्र जडेजा (3/20) के शानदार प्रयासों से चेन्नई सुपर किंग्स ने मुम्बई इंडियंस को आईपीएल मुकाबले में शनिवार रात सात विकेट से हरा दिया। जीत के लिए 158 रनों का पीछा करते हुए चेन्नई ने 11 गेंद शेष रहते जीत हासिल कर ली। अनुभवी रहाणे, जिन्होंने कई आईपीएल टीमों का प्रतिनिधित्व किया है, ने अपना अर्धशतक मात्र 19 गेंदों में पूरा कर इस सत्र का सबसे तेज अर्धशतक बना डाला। इन फॉर्म बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड ने 36 गेंदों पर नाबाद 40 रन बनाये। चेन्नई की तीन मैचों में यह दूसरी जीत है जबकि लगातार हार का सामना करने वाली मुम्बई को अभी अपना खता खोलना है। आईपीएल के डिजिटल

आधिकारिक प्रसारक जियो सिनेमा से रहाणे ने कहा, यह सब कुछ इस बात पर आता है कि आप कैसे खेलना चाहते हैं और आप खेलने के लिए कितने भूखे हैं। मैं हमेशा खेलने का लक्ष्य रखता हूँ और टीम के लिए योगदान देना चाहता हूँ। जब मुझे पता चला कि चेन्नई ने मेरे लिए बोली लगाई है तो मैं खुश हुआ। मैंने चेन्नई के ड्रेसिंग रूम के माहौल के बारे में काफी कुछ सुना था। लेकिन जब मैं यहाँ आया तो मैंने इसे महसूस किया। यह वाकई एक शानदार माहौल है। इससे खिलाड़ी को सहज होने में मदद मिलती है। माही भाई (एमएस धोनी) हर खिलाड़ी को खेलने की आजादी देते हैं। रहाणे की बल्लेबाजी के बारे में जियोसिनेमा के आईपीएल विशेषज्ञ सुरेश रैना ने कहा, यह पीली जर्सी की ताकत है। जैसा हम पारी के दौरान बात कर रहे थे कि रहाणे और

ऋतुराज दोनों मुम्बई और महाराष्ट्र से हैं और इन पिचों को अच्छी तरह समझते हैं। उन्होंने इस मौके का बढ़िया इस्तेमाल किया। यह माही भाई के लिए दिलचस्प सिद्ध बनने वाला है जब मोईन अली टीम में लौटेंगे। इस बीच पूर्व भारतीय क्रिकेटर पार्थिव पटेल ने कहा कि किसी को भी रहाणे से इस आईपीएल का सबसे तेज अर्धशतक बनाने की उम्मीद नहीं थी। पटेल ने पिछले कुछ वर्षों में आईपीएल में रहाणे के संघर्ष को याद किया। उन्होंने कहा, पारी के दौरान यह कभी नहीं लगा कि रहाणे जोखिम ले रहे हैं।



वह हमेशा नियंत्रण में दिखे। वह अपनी इस पारी से खुश होंगे क्योंकि उन पर टप्पा लगा है कि वह टी20 में बल्लेबाजी नहीं कर सकते। पिछले दो वर्षों में एक बार वह बिके नहीं और एक बार दिल्ली ने उन्हें रिलीज कर दिया। इसे देखते हुए वह अपने प्रदर्शन से रोमांचित होंगे।

दिल्ली कैपिटल्स के प्रमुख कोच रिकी पॉटिंग ने स्वीकार किया है कि आईपीएल 2023 में लगातार तीसरी हार झेलने के बाद दिल्ली की टीम को आत्ममंथन करने की जरूरत है। दिल्ली को यहां अपने तीसरे मैच में राजस्थान रॉयल्स के हाथों शनिवार को 57 रन से हार का सामना करना पड़ा। मैच में राजस्थान ने चार विकेट पर 199 रन का मजबूत स्कोर बनाया जबकि दिल्ली 20 ओवर में नौ विकेट पर 142 रन ही बना सकी। पॉटिंग ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हमें अभी लम्बा सफर तय करना है। मैं किसी पर उंगली नहीं उठा सकता क्योंकि मैंने इन लड़कों को ट्रेनिंग और तैयारी करते देखा था। उनकी मेहनत अच्छी थी, ट्रेनिंग बढ़िया थी लेकिन यह सब कुछ मैदान पर परिणाम के रूप में नहीं दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा, हमें एक समूह के रूप में आत्ममंथन करना होगा। मैं खिलाड़ियों को इस बारे में सोचने के लिए छोड़ता हूँ। हम इसका अगले दिन हल निकाल सकते हैं लेकिन हमें इसे जल्दी करना होगा। तीन मैच हो चुके हैं और कोई जीत नहीं। आप इससे ज्यादा खराब शुरूआत की उम्मीद नहीं कर सकते। शनिवार के मैच में पहले ओवर ने ही दिल्ली और राजस्थान के बीच सारा अंतर पैदा कर दिया था।

गुवाहाटी, (एजेंसी)

दिल्ली कैपिटल्स के प्रमुख कोच रिकी पॉटिंग ने स्वीकार किया है कि आईपीएल 2023 में लगातार तीसरी हार झेलने के बाद दिल्ली की टीम को आत्ममंथन करने की जरूरत है। दिल्ली को यहां अपने तीसरे मैच में राजस्थान रॉयल्स के हाथों शनिवार को 57 रन से हार का सामना करना पड़ा। मैच में राजस्थान ने चार विकेट पर 199 रन का मजबूत स्कोर बनाया जबकि दिल्ली 20 ओवर में नौ विकेट पर 142 रन ही बना सकी। पॉटिंग ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हमें अभी लम्बा सफर तय करना है। मैं किसी पर उंगली नहीं उठा सकता क्योंकि मैंने इन लड़कों को ट्रेनिंग और तैयारी करते देखा था। उनकी मेहनत अच्छी थी, ट्रेनिंग बढ़िया थी लेकिन यह सब कुछ मैदान पर परिणाम के रूप में नहीं दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा, हमें एक समूह के रूप में आत्ममंथन करना होगा। मैं खिलाड़ियों को इस बारे में सोचने के लिए छोड़ता हूँ। हम इसका अगले दिन हल निकाल सकते हैं लेकिन हमें इसे जल्दी करना होगा। तीन मैच हो चुके हैं और कोई जीत नहीं। आप इससे ज्यादा खराब शुरूआत की उम्मीद नहीं कर सकते। शनिवार के मैच में पहले ओवर ने ही दिल्ली और राजस्थान के बीच सारा अंतर पैदा कर दिया था।



यशस्वी जायसवाल ने खलील अहमद के ओवर में पांच चौके जड़े। ट्रेट बोल्ट ने दिल्ली की पारी की पहली दो गेंदों पर पृथ्वी शां और मनीष पांडे को पवेलियन की राह दिखा दी थी। पॉटिंग ने कहा, पहले दो मैचों में हम शुरूआत में बिना कोई विकेट खोये 40 रन तक पहुंच गए थे लेकिन पॉवरप्ले के बाद हमने विकेट गंवाए। यहां स्थिति बिल्कुल अलग थी। हम पहले ओवर में ही दो विकेट गंवा बैठे और उसके बाद मुकाबले में नहीं लौट पाए। दिल्ली का अगला मुकाबला मंगलवार को अरुण जेटली स्टेडियम में मुम्बई इंडियंस से होगा जिसमें डेविड वार्नर एंड कंपनी के पास वापसी करने का मौका होगा।



तेजस्विन ने रजत जीता

एरिजोना।

भारतीय एथलीट तेजस्विन शंकर ने अमेरिका के एरिजोना में हुए टूर्नामेंट में डेकाथलन में रजत पदक जीत है। बर्मिंघम में 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में ऊंची कूद में कांस्य पदक विजेता तेजस्विन ने 10 स्पर्धाओं की डेकाथलन में कुल मिलाकर 7,648 अंक हासिल किये। इस दौरान वह भारतीय सिंघ के राष्ट्रीय रिकॉर्ड 7,658 से 10 अंक पीछे रह गये। तेजस्विन ने 10 स्पर्धाओं की डेकाथलन में कुल मिलाकर 7,648 अंक बटोरे हैं। इससे पहले भारतीय रजत पदक 2011 में 7,658 अंक हासिल किये थे। वहीं नेब्रास्का के टिल स्टेनफोर्थ 7845 अंक लेकर पहले स्थान पर आये हैं। तेजस्विन ऊंची कूद के खिलाड़ी हैं पर अब वह डेकाथलन में भी भाग लेने लगे हैं।

## टीम अच्छी शुरुआत का लाभ नहीं उठा पायी : रोहित

मुम्बई, (एजेंसी)

मुम्बई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि उनकी टीम अच्छी शुरुआत का लाभ उठाने में विफल रही। रोहित के अनुसार टीम के अनुभवी खिलाड़ियों को स्वयं आगे बढ़कर अच्छा प्रदर्शन करना होगा क्योंकि टीम इस सत्र में सफलता हासिल करने के इरादे से उतरी थी। उन्होंने कहा कि जीत के लिए हमें निडर होकर आक्रमक रुख अपनाने हुए बल्लेबाजी करनी होगी। अभी भी हमारे हाथ में काफी कुछ है, हमें कुछ अच्छी जीत हासिल कर लय में आना है। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ इस मैच में रोहित ने इशान किशन के साथ अच्छी शुरुआत की थी पर टीम उसका लाभ उठाने में विफल रही। टीम के अनुभवी बल्लेबाज सीएसके के स्पिनर रवींद्र जडेजा का

सामना नहीं कर पाये। मुंबई इंडियंस को इस 30-40 रन कम थे क्योंकि बीच के ओवरों का सामना करना पड़ा है। रोहित ने कहा, अनुभव खिलाड़ियों को आगे बढ़कर जिम्मेदारी लेनी होगी। हम आईपीएल के तरीके को जानते हैं, जब टूर्नामेंट शुरू होता है तो हमें कुछ तेजी हासिल करने की जरूरत होती है और जब आप ऐसा नहीं करते हैं तो जीत हासिल करना कठिन हो जाता है। अगर आप जीतते हैं तो मनोबल बढ़ा है वहीं जब आप हारते हैं तो उस हालात से बाहर आना कठिन हो जाता है। इस मैच में रोहित ने इशान के साथ पहले छह ओवरों में 61 रन बना दिये थे। इससे बाद टीम तेजी से रन नहीं बना पायी। उन्होंने, हमने बीच में अपना रास्ता खो दिया, हमें मिली शुरुआत को

भुनाने में नाकाम रहे। यह एक अच्छी पिच थी, मामले में सीएसके के स्पिनरों की भी प्रशंसा करनी होगी जिन्होंने हमारे बल्लेबाजों पर दबाव बनाया रखा। उन्होंने कहा, आपको जीत के लिए अलग-अलग प्रयोग करने होंगे, आपको आक्रमण करने और बहादुर बनने की जरूरत है। हमारे पास कुछ युवा खिलाड़ी हैं और उन्हें कुछ समय देना है। उनके पास असली प्रतिभा है और हमें उनका समर्थन करना होगा और उनकी क्षमता पर भरोसा दिखाना होगा जो हम कर रहे हैं। रोहित ने कहा कि विरोध टीम को दबाव में लाने के लिए हमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

## धोनी ने अपने स्पिनरों का बेहतर इस्तेमाल किया: शास्त्री

मुम्बई, (एजेंसी)

पूर्व क्रिकेटर रवि शास्त्री ने चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने मुम्बई इंडियंस के खिलाफ मुकाबले में बेहतर तरीके से पिच को समझते हुए अपने स्पिनरों रविंद्र जडेजा और मिचेल सैंटनर का अच्छा इस्तेमाल किया। शास्त्री ने कहा, 'धोनी ने मुंबई इंडियंस के बल्लेबाजों के खिलाफ जडेजा और सैंटनर को इसलिए गेंदबाजी दी क्योंकि उन्हें मालूम हो गया था कि इस पिच पर ये दोनों ही मैच में

अंतर पैदा कर सकते हैं। इस मैच में सीएसके ने टॉस जीतकर मुंबई को बल्लेबाजी के लिये आमंत्रित किया और मेजबान टीम ने चान्सेडे स्टेडियम पर अपना पहला मैच खेलते हुए अच्छी की। मुंबई ने रोहित शर्मा का विकेट खोने के बाद भी पावरप्ले में 61 रन बनाये। ऐसे में धोनी ने रन गति पर अंकुश लगाने स्पिनरों को लगाया और उनका ये प्रयोग सफल रहा। जडेजा और सैंटनर की जोड़ी ने आठ ओवर में 48 रन देकर कुल पांच विकेट लेकर मुम्बई की बल्लेबाजी को बिखेर दिया। वहीं पूर्व भारतीय



बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने कहा, अपने कप्तान की तरह जडेजा भी बिल्कुल निडर हैं। उन्होंने कैमरन ग्रीन के असंभव से नजर आने वाले कैच को पकड़कर भी मैच में अपनी टीम की पकड़ बेहतर की। दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह भी गावस्कर से सहमत नजर आये

उन्होंने कहा, जडेजा सही मायने में विजेता है। वह गेंद या बल्ले से कभी भी मैच को पहला हैं। वहीं हरभजन ने इस मैच में तेजी से अर्धशतक लगाने वाले अजिंक्य रहाणे की भी तारीफ करते हुए कहा कि इसके लिए वह हमेशा याद रखे जायेंगे।

स्पेनिश फुटबॉल लीग : विलारीयाल ने मैड्रिड को हराया

बार्सीलोना। सैमुअल चुकेज के दो गोलों की सहायता से विलारीयाल ने स्पेनिश फुटबॉल लीग में हुए एक रोमांचक मुकाबले में रीयल मैड्रिड को 3-2 से हरा दिया। इस मैच में पॉल टोरेस के आत्मघाती गोल की बदौलत मैड्रिड को खेल की शुरुआत में ही एक गोल की बढ़त मिल गयी थी पर इसके बाद सैमुअल ने 39वें मिनट में एक गोल दागकर विलारीयाल को बराबरी पर ला दिया। हाफटाइम के बाद विनीसियस जुवियर ने एक गोल कर मैड्रिड को फिर 2-1 से बढ़त दिला दी। जोस मोरालेस ने इसके बाद सैमुअल के पास पर गोलकर स्कोर 2-2 से बराबरी पर ला दिया। सैमुअल ने 80वें मिनट में एक और गोल कर विलारीयाल को 3-2 से बढ़त के साथ ही जीत दिला दी। की।



## 23 साल के शुभमन गिल ने रच डाला इतिहास, तोड़ा संजू सैमसन का अनोखा रिकॉर्ड

(एजेंसी)

गुजरात टाइटंस के ओपनिंग बल्लेबाज शुभमन गिल ने रविवार (9 अप्रैल) को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग के 13वें मुकाबले में एक खास रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। गिल ने 31 गेंदों का सामना करते हुए 39 रन बनाए, जिसमें उन्होंने पांच चौके जड़े। इस पारी के दौरान गिल ने आईपीएल में अपने 2000 रन भी पूरे कर लिए। गिल आईपीएल के इतिहास में सबसे कम उम्र में

2000 रन बनाने के मामले में दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। गिल 23 साल 214 की उम्र में इस आंकड़े तक पहुंचे हैं। गिल ने संजू सैमसन का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 24 साल 140 दिन की उम्र में यह कारनामा किया था। ऋषभ पंत (23 साल 27 दिन) इस लिस्ट में पहले स्थान पर हैं। पारियों के हिसाब से गिल सबसे तेज 2000 आईपीएल रन के मामले में संयुक्त रूप से आठवें नंबर पर पहुंचे हैं, इसके लिए उन्होंने 74 पारियां खेलीं। शिखर धवन ने भी 74 पारियों में अपने 2000 आईपीएल रन पूरे किए थे।

इसके अलावा गिल ने आईपीएल में अपने 2000 चौके भी पूरे कर लिए हैं। बता दें कि इस मुकाबले में गुजरात टाइटंस ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया था। गुजरात ने निर्धारित 20 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 204 रन बनाए। यह पहली बार है जब आईपीएल में गुजरात ने 200 या उससे ज्यादा रन बनाए हैं। गुजरात के लिए साई सुदर्शन ने लगातार दूसरा अर्धशतक जड़ते हुए 28 गेंदों में 53 रन बनाए। वहीं पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करने आए विजय शंकर ने तूफानी बल्लेबाजी करते हुए 24 गेंदों में



चार चौकों और पांच छक्कों की मदद से नाबाद 63 रन बनाए। शंकर ने पारी के आखिरी दो ओवरों में 41 रन बनाए।



बटलरी में सीरीज ए फुटबॉल में खेलते हुए लेजियो के खिलाड़ी सरजेई मिलीकोनोविक जुवेटस के खिलाफ गोल करने के बाद साथी खिलाड़ियों के साथ उत्साहित नजर आये।

संक्षिप्त समाचार



बोल्ट ने हमारे हाथ से छीना मैच : वॉर्नर

सैमसन ने अपनी टीम के स्पिनरों को सराहा

गुवाहाटी। दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान डेविड वॉर्नर ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मुकाबले में अपनी टीम की लगातार तीसरी हार पर निराशा जतायी है। वॉर्नर के अनुसार राजस्थान के तेज गेंदबाज ट्रेट बोल्ट के पहले ओवर में ही दो विकेट लेने से मैच हमारे हाथ से फिसल गया। बोल्ट ने इस मैच में 39 रन देकर तीन विकेट लिए। इस तेज गेंदबाज ने सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शां और मनीष पांडे के विकेट लेकर दिल्ली के बल्लेबाजों पर दबाव बढ़ा दिया जिसे वह लक्ष्य का पीछा करने के दौरान बिखर गयी। कैपिटल्स की टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए 142 रन ही बना सकी। वॉर्नर ने कहा, 'बोल्ट ने पावरप्ले के दौरान शानदार गेंदबाजी करते हुए हमारे बल्लेबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। ऐसे में 200 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पावरप्ले में ही शुरुआती विकेट गंवा देना नुकसानदेह था। वॉर्नर ने इस मैच में 65 रन बनाये पर वह आक्रमक होकर विरोधी टीम पर दबाव नहीं बना पाये। वहीं राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन ने अपनी टीम के स्पिनरों युजवेंद्र चहल और रविचंद्रन अश्विन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि वह बल्लेबाजों के अनुसार गेंदबाजी करते हैं। रॉयल्स को इस मैच में जीत मिली पर टीम के कप्तान संजू सैमसन इस बार भी रन नहीं बना पाये। अपनी खराब बल्लेबाजी से निराश सैमसन के अनुसार वह पिच पर जमने के लिए कुछ समय अवश्य लेते हैं।

बटलर से सीखने को मिला : यशस्वी

गुवाहाटी। राजस्थान रॉयल्स के युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने कहा है कि उन्हें आईपीएल में खेलने के दौरान ही टीम के साथी बल्लेबाज जोस बटलर से काफी कुछ सीखने को मिला है। यशस्वी ने दिल्ली के खिलाफ मैच में शानदार बल्लेबाजी करते हुए 31 गेंदों में 60 रन बनाये थे। उनकी इस पारी की सहायता से ही टीम कैपिटल्स के खिलाफ मैच में जीत दर्ज करने में सफल रही थी। यशस्वी ने कहा, मैंने कड़ी मेहनत की है। मैं अपने को अभिव्यक्त करने का भी प्रयास कर रहा हूँ। सीखना मेरे लिए अहम है। मेरे लिए एक युवा खिलाड़ी के रूप में आगे बढ़ना भी काफी जरूरी है। मेरा प्रयास था कि हर कमजोर गेंद का लाभ उठाया जाये। मुझे लगता है कि मैंने बटलर से बहुत कुछ सीखा है। मैं यह देखने का प्रयास करता हूँ कि वह कैसे अभ्यास करते हैं। मुझे पता था कि मैं कुछ गेंदबाजों के खिलाफ तेजी से रन बना सकता हूँ। इस मैच में सलामी बल्लेबाज यशस्वी और बटलर के की अर्धशतकीय पारी के बाद ट्रेट बोल्ट ने शानदार गेंदबाजी कर अपनी टीम की जीत तय कर दी। बोल्ट ने 29 रन देकर तीन विकेट लिए। इस प्रकार मैच में राजस्थान ने दिल्ली को 57 रनों से हरा दिया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए यशस्वी ने बटलर के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए तेज से 51 गेंद में 98 रन जोड़े। इसी कारण राजस्थान की टीम चार विकेट पर 199 रनों का अच्छा खासा स्कोर बनाने में सफल रही।

## बिल्डर निडरता पूर्वक कर रहे हैं अवैध बांधकाम, किस साहब की मेहरबानी है?

सूरत भूमि, सूरत। शहर के साउथ जोन उधना हद विस्तार के बड़े गांव की सूर्य नगर सोसायटी में 9 वर्षों से बेधड़क ग्राउंड प्लस दो मंजिला का बांधकाम मनाया के परिमिशन बगैर किया जा रहा है। सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा विरोध करने पर हिटलर जैसा शासन करने वाला अधिकारी पूछता है कि बांधकाम में तुम्हारा क्या? यानी किसी भी प्रकार का अवैध काम चलता हो तो उसमें किसी सामाजिक कार्यकर्ता की जरूरत नहीं है, क्योंकि यह स्पष्ट और सिद्ध हो चुका है कि भारतीय जनता पार्टी के राज्य में

पूर्ण रूप से अफसरशाही चल रही है। अधिकारियों को जमकर मिले माल तो कितना भी हो अवैध काम उसे वैध मान लिया जाता है। इसके बाद भी अंध भक्तों की भक्ति पर सवालिया निशान उठता है, क्योंकि वह इस सरकार को राजा हरिश्चंद्र की सरकार समझते हैं जबकि यह सरकार सर से लेकर पांव तक भ्रष्टाचार के आतंक में डूबी हुई है। यही नहीं इसके अलावा आशीर्वाद नजर में ग्राउंड प्लस दो मंजिला नीचे शांतिग उपर रजिस्ट्रेशन को अवैध काम किया गया। जिसकी शिकायत करने पर अधिकारी

स्पष्ट बोल देते हैं भाई मेरा कुछ नहीं चलने वाला है। ऐसा क्यों आखिर यह जनता के टैक्स के पैसे से पगार लेते हैं डीडिए फंड बोनास सर्विस लेकर सरकारी दामाद की तरह नौकरी करते हैं। इन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता क्योंकि गुजरात को विकास का मॉडल माना जाता है जबकि अगर सच्चाई सामने आ जाए तो भारत का ही नहीं अपितु विश्व का सबसे बड़ा भ्रष्टाचारी राज्य गुजरात होगा यहां लोग जितना कदम रखते हैं भ्रष्टाचार की दलदल में रखते हैं लेकिन धसते कभी नहीं क्योंकि यही राज्य ऐसा है जो भ्रष्टाचार की

सूर्य नगर सोसायटी



यूनिवर्सिटी चला चुका है। अब

पूरे देश में वह भ्रष्टाचार फैलाना चाहता है इसके लिए यहीं से अधिकारियों को ट्रेनिंग मिलती है और वह पूरे देश में भ्रष्टाचार फैलाने का प्रयास कर रहे हैं कुछ हद तक यह भी मानना पड़ेगा ही अनुभवहीन व्यक्ति को आरक्षण के तहत ऊपर की कुर्सी मिल जाने

पर घमंड भी आ जाता है और वह आम जनता को कीड़े मकोड़े की तरह समझ कर सिर्फ पूंजीपतियों का टहल बजाते हैं। ऐसा लगता है जैसे यह अधिकारी भ्रष्टाचार करके ही अपनी पगार पूरा करते हैं इन्हें सरकारी खाते से किसी भी प्रकार की सुविधा नहीं मिलती।

.....शेष अगले अंक

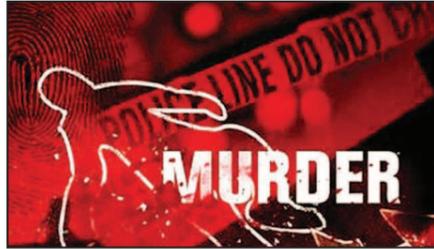
## तलाटी कम मंत्री की परीक्षा को लेकर GPSSB के प्रभारी हसमुख पटेल का बड़ा बयान

अहमदाबाद। गुजरात में आज जूनियर क्लर्क की परीक्षा बिना किसी गड़बड़ी के शांतिपूर्ण माहौल संपन्न होने से सरकार और प्रशासन ने राहत की सांस ली है। 9.50 लाख परीक्षार्थियों के लिए राज्य के 32 जिलों में 3000 केन्द्र बनाए गए थे। जूनियर क्लर्क की परीक्षा के बाद अब आगामी 30 अप्रैल होने वाली तलाटी कम मंत्री की परीक्षा को लेकर चर्चा है कि यह अपने समय पर होगी या नहीं। इसे लेकर गुजरात पंचायत सर्विस सिलेक्शन बोर्ड के प्रभारी हसमुख पटेल ने बताया कि

तलाटी कम मंत्री की परीक्षा के आयोजन की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं और अगले तीन दिन में पता चल जाएगा कि इसका आयोजन समय पर होगा। उन्होंने कहा कि परीक्षा के आयोजन के लिए केन्द्र उपलब्ध नहीं हुए तो परीक्षा कराना संभव नहीं होगा। परीक्षा के आयोजन के लिए स्कूलें मिल गई हैं, लेकिन कॉलेज नहीं मिल रही। अगले तीन दिन में सभी केन्द्र मिल जाएंगे और उसके बाद ही तलाटी कम मंत्री की परीक्षा के आयोजन का ऐलान किया जाएगा। तलाटी कम मंत्री के लिए पीने चार लाख उम्मीदवार

होंगे और उसके लिए 5700 जितने केन्द्रों की जरूरत है। हालांकि केन्द्रों को लेकर जिला कलेक्टरों को जिम्मेदारी सौंप दी गई है। परीक्षा केन्द्र उपलब्ध नहीं होने पर अनिवार्य रूप से केन्द्र मुहैया कराने का आदेश दिया जाएगा। मुख्य सचिव के आदेश पर नए केन्द्र प्राप्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। 30 अप्रैल को परीक्षा आयोजित करने के लिए 10 अप्रैल तक केन्द्र मिलना जरूरी है। अगर 10 अप्रैल तक केन्द्र नहीं मिलेंगे तो परीक्षा का आयोजन संभव नहीं होगा।

## मामूली बात पर पड़ौसियों ने 16 साल के किशोर का मार डाला, जांच में जुटी पुलिस



खेड़ा। कपड़वंच से हैरान कर देनेवाली घटना सामने आई है, जिसमें एक मामूली बात को लेकर तीन लोगों ने पड़ौस में रहनेवाले 16 साल के किशोर को मौत के घाट उतार दिया और फरार हो गए। कपड़वंच पुलिस ने मृतक के चाचा की शिकायत पर केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की है। जानकारी के मुताबिक खेड़ा जिले के कपड़वंच शहर निवासी 16

वर्षीय दीपक जेसंग सलाट नामक किशोर माता-पिता की मौत के बाद अपने चाचा के साथ रहता है और मंडप इत्यादि बांधने का काम करता है। बीते दिन मंडप बांधने के लिए आदमियों की जरूरत होने पर दीपक अपने घर के पड़ौस में रहनेवाले डाह्या सलाट, दिनेश सलाट और अनिल सलाट के घर गया था। हालांकि तीनों के घर पर नहीं होने से दीपक ने घर में मौजूद महिला से कहा कि

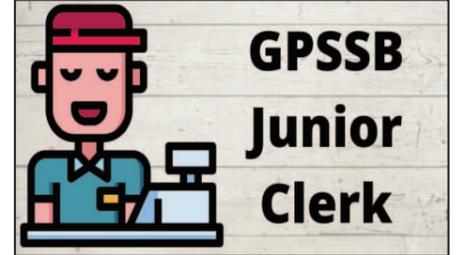
मंडप बांधने के लिए आदमियों की जरूरत है, तीनों आए तो भेज देना। इतना कहकर दीपक वहां से निकल गया। डाह्या, दिनेश और अनिल जब अपने घर पहुंचे तब किसी ने उनके कान भर दिए और कहा कि दीपक तुम्हारी अनुपस्थिति में घर पर आया था और महिला से बात कर रहा था। इतनी सी बात सुनकर तीनों का खून खौल उठा और दीपक के घर पहुंच गए। जहां दीपक को पीट पीट कर मार डाला। घटना को अंजाम देकर आरोपी मौके से फरार हो गए। मृतक के चाचा ने कपड़वंच शहर पुलिस ने दिनेश, डाह्या और अनिल सलाट के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई। जिसके आधार पर पुलिस ने फरार आरोपियों की तलाश शुरू की है।

## कड़ी सुरक्षा के बीच निर्विघ्न संपन्न हुई जूनियर क्लर्क की परीक्षा, प्रशासन ने ली राहत की सांस

अहमदाबाद। गुजरात में आज कड़ी सुरक्षा इंतजामों के बीच जूनियर क्लर्क की परीक्षा बिना किसी विघ्न के शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न होने से प्रशासन ने राहत की सांस ली है। राज्य भर में 9.50 लाख से अधिक उम्मीदवारों ने जूनियर क्लर्क की परीक्षा दी। परीक्षा देकर केन्द्र से बाहर निकले परीक्षार्थी भी काफी खुश नजर आ रहे थे और राहत महसूस कर रहे थे। परीक्षा देकर निकले एक विद्यार्थी ने बताया कि पचास काफी लंबा थे, लेकिन अच्छा रहा। यह खुशी की बात है कि अबकी बार प्रशासन के पुछा इंतजाम के चलते परीक्षा बिना किसी बाधा के पूर्ण हो गई। इससे पहले कई

बार परीक्षा नहीं दे पाए, परंतु इस बार उसकी मेहनत रंग लाई और परीक्षा शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो गई। परीक्षा देकर केन्द्रों से बाहर निकले परीक्षार्थियों ने सरकारी की व्यवस्था की प्रशंसा की। खासकर जीपीएसएसबी के अस्थायी अध्यक्ष और आईपीएस हसमुख पटेल जिन्होंने जूनियर क्लर्क की परीक्षा निष्पक्ष और शांतिपूर्ण माहौल संपन्न कराने में कोई कसर नहीं छोड़ी। परीक्षार्थियों को भी हसमुख पटेल पर पूरा भरोसा था। हसमुख पटेल ने परीक्षार्थियों के उस भरोसे को कायम रखते हुए परीक्षा की ऐसी व्यवस्था की कि किसी प्रकार की कहीं से भी गड़बड़ी की खबर नहीं आई। निर्विघ्न

परीक्षा पूर्ण होने से सरकार और प्रशासन ने राहत की सांस ली है। परीक्षा पूर्ण होने के बाद विद्यार्थी नेता युवराजसिंह ने ट्वीट कर जूनियर क्लर्क की निष्पक्ष और शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए हसमुख पटेल के सफल आयोजन को लेकर उन्हें बधाई दी। बता दें कि गुजरात पंचायत सर्विस सिलेक्शन बोर्ड (जीपीएसएसबी) ने जूनियर क्लर्क की परीक्षा का आयोजन किया गया था। राज्य के 32 जिलों के 3000 केन्द्रों पर जूनियर क्लर्क की परीक्षा के लिए सुरक्षा समेत सभी इंतजाम किए गए थे। 9.50 लाख परीक्षार्थियों के आवागमन के लिए गुजरात राज्य पथ परिवहन



निगम (जीएसआरटीसी) की ओर से 6000 अतिरिक्त बसों का इंतजाम किया गया था। इसके अलावा पश्चिम रेलवे ने अहमदाबाद से पालनपुर और वलसाड के लिए 'परीक्षा स्पेशल' ट्रेनों की व्यवस्था की थी। राज्य के कई शहरों में ऑटो रिक्शा चालकों ने परीक्षार्थियों की मदद की। कई जगह रिक्शा

चालकों ने परीक्षार्थियों को मुफ्त सेवा दी तो कई निर्धारित से कम किराया लिया। गौरतलब है कि इससे पहले जूनियर क्लर्क एजाम 29 जनवरी को होने वाले थे, लेकिन एन वक्त पर पेपर लीक हो गया था। इसके चलते परीक्षा रद्द कर दी गई थी। यही परीक्षा अब आज यानी कि 9 अप्रैल को ली गई।

## मुख्यमंत्री ने 'गुरुमंत्र :म्यूजिंग्स ऑफ ब्यूरोक्रैट : गुजरात में 11 और 12 अप्रैल को गुरुप्रसाद महापात्र' पुस्तक का अनावरण किया



अहमदाबाद। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के करकमलों से दिग्गंत आईएसएस अधिकारी डॉ. गुरुप्रसाद महापात्र के जीवन चरित्र पर आधारित पुस्तक 'गुरुमंत्र : म्यूजिंग्स ऑफ ब्यूरोक्रैट डॉ. गुरुप्रसाद महापात्र' का अनावरण किया गया। पुस्तक अनावरण अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि डॉ. गुरुप्रसाद महापात्र में सरकारी जनोन्मुखी योजनाओं को जनता तक पहुंचाने

की काबिलियत तथा दूरदर्शिता थी। उनका स्वभाव विशिष्ट कार्यपद्धति उनकी पहचान थे। उनमें स्वयं के लिए गए निर्णयों के विषय में स्वागतयोग्य सुझावों को खुले दिल से स्वीकार करने तथा जनहित के लिए अपने निर्णयों को सुधारने की जिदालिनी भी थी। पब्लिक ब्यूरोक्रैटि तथा पॉलिटिक्स के बीच उचित तालमेल बना कर कार्य करने की कुशलता महापात्रजी में थी। पटेल ने अहमदाबाद महानगर पालिका आयुक्त के रूप में डॉ. गुरुप्रसाद महापात्र के योगदान का उल्लेख करते

हुए कहा कि आज दुनिया अहमदाबाद की हेरिटेज सिटी या मेट्रो सिटी के रूप में प्रशंसा कर रही है। अहमदाबाद के शहरी विकास में महापात्रजी का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री का संकल्प था कि भारत का साधारण से साधारण नागरिक भी प्लेन में यात्रा करने लगा। प्रधानमंत्री के इस संकल्प को 'उड़ान' योजना से साकार करने में महापात्रजी की महत्वपूर्ण भूमिका थी। भारत के एयरपोर्ट के आधुनिकीकरण, उन्हें सुविधायुक्त बनाने तथा टेक्नोलॉजी अपग्रेडेशन के लिए महापात्रजी द्वारा साकार किए गए सफल व परिणामोन्मुखी कार्यों के फल का हम आनंद ले रहे हैं। इसी दिशा में आगे चलते हुए आज राज्य सरकार ने राज्य में एयरपोर्ट जैसे बसपोर्ट देकर उनकी

कार्य विचारधारा को आगे बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक विजयरी ग्लोबल लीडर हैं। पीएम मोदी ने भारत को विभिन्न क्षेत्रों में अग्रसर बनाने का प्रेरक बल तथा मार्गदर्शन सदैव दिया है। प्रधानमंत्री के इस दिशादर्शन में डॉ. महापात्र ने डिपार्टमेंट फॉर प्रमोशन ऑफ इण्डस्ट्रीज एण्ड इंटरनल ट्रेड के सचिव पद पर रह कर भारत की इंज ऑफ डूंग विजनेस रॉकिंग में उधार करने के लिए अनेक कृदम उठाए। प्रधानमंत्री ने देश में कोविड महामारी के विरुद्ध संघर्ष के लिए जो एम्पावरिंग रफ़रेंस मैनेजमेंट बनाया, उसमें महापात्रजी को क्रमशः सदस्य व अध्यक्ष का दायित्व सौंपा गया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. गुरुप्रसाद महापात्र ने अपने हाईवर्क, इंटीलिजेंस

तथा कैपेबिलिटीज के कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विश्वास जीता। कोरोना काल में देश को अनेक ज़रूरी विषयों में आत्मनिर्भर बनाने में महापात्रजी का बड़ा योगदान रहा। इसीलिए प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' में उनका उत्कृष्ट कर्मयोगी के रूप में सत्कार किया। उल्लेखनीय है कि डॉ. गुरुप्रसाद महापात्र का कोरोना काल के दौरान निधन हो गया था। उन्हें कोरोना महामारी के दौरान ऑक्सिजन की कमी से निपटने तथा अन्य क्षेत्रों में किए गए उत्कृष्ट कामकाज के लिए मरणोपरान्त पद्मश्री पुरस्कार प्रदान किया गया। इस पुस्तक में डॉ. गुरुप्रसाद महापात्र के जीवन, विचारधारा, कार्यशैली तथा अफसरशाही के विचारों का रूचिप्रद वर्णन किया गया है।

अहमदाबाद। गुजरात में आगामी 11 और 12 अप्रैल को बेमौसमी बारिश की मौसम विभाग ने अनुमान व्यक्त किया है। 11 अप्रैल को कच्छ और सौराष्ट्र में सामान्य छुटपुट बारिश हो सकती है। 12 अप्रैल को कच्छ-सौराष्ट्र समेत उत्तर गुजरात में बारिश होने की संभावना है। राज्य में हवा की दिशा बदलने से गर्मी का पारा भी दो से तीन डिग्री बढ़ सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक दो दिन के दौरान मध्य प्रदेश, उड़ीसा, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ में तेज हवा के साथ बारिश हो सकती है। गौरतलब है गुजरात में पिछले महीने में भी बेमौसमी बारिश होने से कृषि और बागायती फसलों को काफी नुकसान हुआ था। मार्च महीने में



बेमौसमी बारिश से हुए नुकसान से किसान उबरे नहीं थे कि अप्रैल की शुरुआत से फिर एक बार मावठ ने किसानों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। हाल ही में कृषि मंत्री ऋषिकेश पटेल ने बेमौसमी बारिश से हुए नुकसान के लिए सर्वे के बाद किसानों को सहायता का ऐलान किया था। ऋषिकेश पटेल ने कहा था कि बेमौसमी बारिश से जूनागढ़, अमरेली, कच्छ, पाटण, साबरकांठा, अहमदाबाद,

तापी, राजकोट, बनासकांठा, सूरत, वोटाद, जामनगर, भावनगर अरवली और भरुच समेत 15 जिलों की 64 तहसीलों के 2.85 5 गांवों में कृषि फसलों का नुकसान हुआ है। इन जिलों में 199951 हेक्टर क्षेत्र में कृषि और बागायती फसलों को नुकसान हुआ है। जिसमें 183121 हेक्टर कृषि क्षेत्र और 16830 हेक्टर में बागायती फसलों को नुकसान हुआ था।

## नाबालिग लड़की से युवक ने किया दुष्कर्म, सोशल मीडिया के जरिए दोनों का संपर्क हुआ था

सूरत। शहर के कतारगाम में रहनेवाली 16 वर्षीय नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म की घटना सामने आई है। तीन महीने पहले लड़की का इंस्टाग्राम के जरिए एक युवक के साथ परिचय हुआ था। उसी युवक ने एक नहीं तीन-तीन बार लड़की के साथ दुष्कर्म किया। पीड़ित लड़की की शिकायत के आधार पर कतारगाम पुलिस ने युवक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार करने की दिशा में कवायद तेज की है। जानकारी के मुताबिक सूरत के कतारगाम क्षेत्र में रहनेवाली 16 वर्षीय लड़की 11वीं कक्षा में पढ़ती है। करीब तीन महीने पहले इंस्टाग्राम के जरिए लड़की का सूरत के कापोद्रा में

रहनेवाले जयदीप उर्फ अजय रमेश सरवेया से परिचय हुआ था। जिसके बाद दोनों अपने मोबाइल नंबरों का आदान-प्रदान किया और बातचीत का सिलसिला शुरू हो गया। उस दौरान कई बार जयदीप लड़की से मिलने उसकी घर की छत पर जाने लगा। जहां उसने लड़की को अश्लील तस्वीरें और वीडियो भी बनाए। जिसके बाद लड़की ने अपना असली रूप दिखाया और अश्लील तस्वीरें व वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर नाबालिग लड़की के साथ एक बार नहीं बल्कि तीन-तीन बार दुष्कर्म किया। पीड़िता जब विरोध करती तो जयदीप उसके परिवार को जान से मार देने की धमकी देता।

## कर्नाटक जीतने के लिए गुजरात की फौज उतारेगी भाजपा, पूर्णेश मोदी होंगे मुख्य चेहरा



अहमदाबाद। कर्नाटक विधानसभा का चुनाव जीतने के लिए भाजपा गुजरात की फौज उतारेगी। गुजरात सरकार और संगठन के 6 बड़े नेता लगातार कर्नाटक का दौरा करेंगे। कर्नाटक चुनाव प्रचार के मुख्य चेहरा भाजपा विधायक पूर्णेश मोदी होंगे, जिन्होंने मोदी सरनेम को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ मोर्चा खोला था और इस मामले में राहुल गांधी को दो साल की सजा सुनाई जा चुकी है। गुजरात विधानसभा में रिकार्ड है। कर्नाटक चुनाव प्रचार में गुजरात भाजपा 125 नेताओं की फौज जाएगी। गुजरात सरकार

में भी विपक्ष को धूल चटाने के लिए कमर कस ली है। कर्नाटक चुनाव में गुजरात मॉडल अपनाते हुए वहां के विभिन्न शहरों को गुजरात चुनाव में उपयोग किए गए स्लोगनों से पाट दिया है। गुजरात के 125 से भी ज्यादा नेताओं की फौज कर्नाटक जाकर भाजपा उम्मीदवारों के पक्ष में प्रचार करेगी। इस फौज में दक्षिण गुजरात के दिग्गज नेता पूर्णेश मोदी मुख्य चेहरा होंगे। पूर्णेश मोदी भाजपा विधायक हैं और राज्य के पूर्व मंत्री हैं। कर्नाटक चुनाव में पूर्णेश मोदी स्टार प्रचारक बनकर चर्चा में आ गए हैं। कर्नाटक चुनाव के दौरान भी राहुल गांधी के मोदी सरनेम को लेकर दिए गए बयान के चर्चा में रहने की संभावना को देखते हुए पूर्णेश मोदी को स्टार प्रचार की सूची में शामिल किया गया है। पूर्णेश मोदी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के काफी करीबी और उनकी गुडबुक्क में शामिल हैं। इसीलिए कर्नाटक चुनाव प्रचार में पूर्णेश मोदी को स्टार प्रचार की सूची में स्थान मिला है। कर्नाटक चुनाव प्रचार में गुजरात भाजपा 125 नेताओं की फौज जाएगी। गुजरात सरकार

और संगठन के 6 नेता लगातार कर्नाटक का दौरा करेंगे। 15 अप्रैल के बाद गुजरात प्रदेश भाजपा नेताओं का कर्नाटक का चुनावी दौरा शुरू हो जाएगा। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया पर कर्नाटक चुनाव के सहप्रभारी होने से बड़ी जिम्मेदारी है। इसके अलावा गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, जीतु वाघाणी, गणपत वसावा, प्रवीण माली, प्रदीपसिंह वावेली, पूर्णेश मोदी समेत नेता कर्नाटक राज्य के पूर्व मंत्री हैं। कर्नाटक चुनाव में भाजपा ने गुजरात मॉडल अपनाया है। गुजरात विधानसभा चुनाव के दौरान कई स्लोगन काफी मशहूर हुए थे और उसी तर्ज पर भाजपा कर्नाटक चुनाव जीतना चाहती है। आज कल कर्नाटक की गली गली में गुजरात के नारे गुंज रहे हैं। 'भरोसे की भाजपा सरकार', 'डबल इंजन सरकार, सपने साकार' जैसे स्लोगनों का कर्नाटक चुनाव में उपयोग किया जा रहा है। ये सभी स्लोगन गुजरात चुनाव के दौरान बनाए गए थे और उसका कर्नाटक चुनाव में भाजपा उपयोग करेगी।

## गुजरात में कोरोना का जोर घटा, 24 घंटों में 218 नए मामले

अहमदाबाद। गुजरात में कोरोना का जोर घटा है। पिछले 24 घंटों में 218 नए मामले सामने आए हैं। गुजरात में कोरोना के नए मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। आज सामने आए नए मामलों को देख लगाता है गुजरात में कोरोना का जोर घटा है। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक बीते 24 घंटों में गुजरात में कोरोना के 218 नए केस दर्ज हुए हैं, जबकि 260 लोगों को डिस्चार्ज कर दिया गया। हालांकि अहमदाबाद में कोरोना के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। अहमदाबाद में आज 98 मरीज सामने आए और एक मरीज की मौत हो गई। जबकि 111 लोग

ठीक होकर अपने घर लौट गए। पिछले 24 घंटों में अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 98, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 25, सूरत कॉर्पोरेशन में 22, पाटण में 11, मेहसाणा में 9, मोरबी में 7, वलसाड में 6, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 5, राजकोट में 4, राजकोट शहर में 4, वडोदरा में 4, स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, गांधीनगर, गिर सोमनाथ, कच्छ, पंचमहल, साबरकांठा में 2-2, आणंद, अरवली, जामनगर, खेड़ा समेत जिलों में कोरोना का 1-1 केस दर्ज हुआ। राज्य में फिलहाल कोरोना के सक्रिय मरीजों की संख्या 2013 है, जिसमें 7 वेन्टीलेटर पर हैं और 2006 लोग स्टेबल हैं।